नए समाज की ओर
Towards a new dawn

सत्यमेव जयते
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
भारत सरकार

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

परिचालन पुस्तिका

BALIKA VIDYALAYA

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

परिचालन पुस्तिका

श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी
माननीय महिला एवं बाल विकास मंत्री

वर्ष 2025 तक महिलाओं के नेतृत्व में विकास के लिए सामूहिक कार्रवाई के राष्ट्रीय लोकाचार को ध्यान में रखते हुए, "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी)" हमारी "नारी शक्ति" की क्षमता का उपयोग करने के लिए संयुक्त कार्रवाई की मांग करने वाली सभी पहलों का आधार बना हुआ है, जैसा कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा कल्पना की गई थी। इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की ब्रांड हिस्सेदारी एक कहावत बन गई है और इसे "सेव द गर्ल चाइल्ड" के प्रतीक के रूप में मान्यता प्राप्त है, इस योजना का दायरा भौगोलिक और प्रोग्राम दोनों के रूप में बहु-क्षेत्रीय गतिविधियों पर फोकस करने के लिए जिला स्तर पर ठोस लाभ के लिए विस्तारित किया गया है।

परिचालन पुस्तिका को एक 'आत्मनिर्भर भारत' की हमारी आकांक्षा को साकार करने की दिशा में जमीनी स्तर पर भारत सरकार के सभी प्रयासों/योजनाओं के साथ अभिसरण और योजनाबद्ध क्षेत्रीय प्रयासों के माध्यम से तालमेल को प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रकाश स्तंभ और एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका के रूप में तैयार किया गया है।

यह मेरी हार्दिक इच्छा है कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ इस कथा का मार्गदर्शन करे और जीवन चक्र निरंतरता के माध्यम से बालिकाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण के लिए सभी स्तरों पर सभी योजनाओं/कार्यक्रमों और नीतियों के लिए आधारशिला बने। इसलिए, मैं सभी हितधारकों से एक साथ आने और बालिकाओं के सर्वोत्तम हित के लिए इस योजना को सफल बनाने के लिए संगठित होकर काम करने की आग्रह करती हूं।

प्रस्तावना

डॉ. मुंजपारा महेंद्रभाई
राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

पिछले सात वर्षों में, संकेंद्रित समर्थन के माध्यम से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ राजनीतिक नेतृत्व और बालिकाओं के महत्व के प्रति राष्ट्रीय चेतना का ध्यान आकर्षित करने में सक्षम रहा है। अब समय आ गया है कि बालिकाओं के विकास और संरक्षण से संबंधित गौर करने लायक परिणामों को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए, जैसा कि योजना के तहत परिकल्पित किया गया है।

एक राष्ट्र के रूप में लैंगिक समानता हमारी पहली शर्त होनी चाहिए और इसकी शुरुआत प्रत्येक परिवार के प्रत्येक व्यक्ति से होनी चाहिए।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के साथ, हम सभी अपने व्यवहार, संस्कृति और रोजमर्रा की जिंदगी के हर उस पहलू से छुटकारा पाने का संकल्प लें, जो महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध महत्व को कम करता है, अपमान और भेदभाव करता है। जैसा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने कहा है, राष्ट्र के सपने को पूरा करने में महिलाओं का गौरव एक बड़ी पूँजी है और हमारी 'नारी शक्ति' देश को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी। जितना अधिक हम बालिकाओं को महत्व देंगे, जितना अधिक अवसर और सुविधाएं हम अपनी बेटियों को प्रदान करेंगे, जितना अधिक हम एक समतामूलक समाज के लिए मार्ग प्रशस्त करेंगे, 'अमृत काल' के मामले में और सतत विकास लक्ष्यों की उपलब्धि हासिल करने में हमारा लाभांश उतना ही समृद्ध होगा।

भूमिका

श्री इंदीवर पांडे
सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना को मिशन शक्ति की संबल उप-योजना के तहत एक घटक के रूप में लाया गया है, जो एक मिशन मोड की एक योजना है, जिसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण के लिए प्रयासों को सुदृढ़ करना है ताकि अभिसरण और नागरिक-स्वामित्व के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण में समान भागीदार बन सकें और उन्हें सक्षम बनाया जा सके।

योजना के सभी घटकों के लिए मिशन शक्ति दिशा-निर्देश प्रकाशित किए गए हैं, जिसमें सभी उप-योजनाओं को एक साथ कार्यान्वयन करने के लिए समग्र रूपरेखा, तन्त्र और संरचनाओं का विवरण रखा गया है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के लिए सभी स्तरों पर आवश्यक प्रयासों का निरुपण करने के लिए, इस पुस्तिका को योजना के लक्ष्यों को प्राप्त करने में राज्यों और जिलों की सहायता के लिए दिशा-निर्देशों के सहायक के रूप में तैयार किया गया है।

यह पुस्तिका राष्ट्रीय स्तर से जमीनी स्तर तक योजना, कार्यान्वयन, रिपोर्टिंग और निगरानी में शामिल लोगों के मार्गदर्शन के लिए उपयोगी होगी। बालिकाओं के संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए एक सक्रिय और एकजुट अभिसरण प्रयास के लिए कई मंत्रालयों के तहत विभिन्न अधिकारियों और विशेषज्ञों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों और प्रक्रियाओं की सूची पुस्तिका के विभिन्न खंडों में दी गई है। यह पुस्तिका सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, नागरिक समाज, शिक्षा जगत और व्यवसायों के लिए भी उपयोगी होगा जो बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) और अन्य संबंधित मंत्रालयों/विभागों के साथ सहयोग और साझेदारी करना चाहते हैं।

पुस्तिका के बारे में

पथ प्रदर्शन और समझने में आसानी के लिए इस "बेटी बचाओ बेटी पढाओ" परिचालन पुस्तिका को तीन पुमुख खंडों में विभाजित किया गया है – पहले खंड में परिचय और योजना के उद्देश्यों, लक्ष्यों और दर्शकों के संबंध में समग्र पृष्ठभूमि शामिल है। अन्य दो खंडों को एक गतिविधि नियमावली (विभिन्न हितधारकों के लिए योजना गतिविधियों के समग्र और सुदृढ़ कार्यान्वयन के लिए निर्देश और उसी के लिए आवश्यक अभिसरण कार्रवाई) और एक प्रशासनिक नियमावली (राष्ट्रीय से जिला स्तर तक प्रशासन का सभी स्तरों पर परिचालन निर्देशों को शामिल करते हुए) में विभाजित किया गया है।

इस पुस्तिका को कुछ नवीन उपकरणों के साथ तैयार किया गया है जिन्हें सुव्यवस्थित और विशेष रूप से वर्ष भर निरंतर और समावेशी तरीके से कार्यान्वयन तन्त्र की सहायता के लिए तैयार किया गया है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ गतिविधि कैलेंडर को नवीनीकरण और सर्वोत्तम प्रथाओं को रिकॉर्ड करने के लिए एक टेम्पलेट के साथ निर्देशित प्रयासों के लिए पुस्तिका में प्रस्तुत की जा रही रही है। पुस्तिका में पुस्तुत की जा रही जिला स्कोर कार्ड की मदद से जिलों की प्रदर्शन रैंकिंग का एक विशेष तंत्र भी बनाया जाएगा।

सामग्री सूची

मंत्री का संदेश	v
प्रस्तावना	vi
भूमिका	vii
पुस्तिका के बारे में	viii
परिचय	2
उद्देश्य	2
गतिविधियों की नियमावली	3
क्षमता निर्माण	3
सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संवद (एसबीसीसी)	4
भागीदारी और समावेशन	5
पुरस्कार और सम्मान	6
नवप्रर्वतन	6
अभिसारी क्रिया	8
गतिविधि कैलेंडर	12
प्रशासनिक नियमावली	13
संगठनात्मक संरचना	13
राष्ट्रीय स्तर	13
राज्य स्तर	13
जिला स्तर	13
वित्तीय प्रावधान	14
जिला कार्य योजना	15
रिपोर्टिंग और दस्तावेज़ीकरण	15
प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस)	16
जिला स्कोर कार्ड	16
सर्वोत्तम अभ्यास टेम्पलेट	16
मूल्यांकन और लेखा परीक्षा	16
अनुलग्नक	17
अनुलग्नक-I. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कैलेंडर	17
अनुलग्नक-II. जिला कार्य योजना	23
अनुलग्नक-III. जिला स्कोर कार्ड	24
अनुलग्नक-IV. सर्वोत्तम अभ्यास टेम्पलेट	26
अनुलग्नक-V. जिलों की सूची उनके आवंटन के साथ	27
40 लाख रुपये प्रति वर्ष की दर से आवंटन के साथ 918 से कम या इसके बराबर एसआरबी वाले जिलों की सूची	27
30 लाख रुपये प्रति वर्ष की दर से आवंटन के साथ 918 से अधिक और 952 से कम या इसके बराबर एसआरबी वाले जिलों की सूची	32
20 लाख रुपये प्रति वर्ष की दर से आवंटन के साथ 952 से अधिक एसआरबी वाले जिलों की सूची	43

परिचय

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना 22 जनवरी 2015 को देश में बाल लिंग अनुपात (सीएसआर) में गिरावट के मुद्दे के साथ-साथ बालिकाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करने के लिए शुरू की गई थी। 15वें वित्त आयोग की अवधि में मिशन शक्ति की संबल उपयोजना के घटक के रूप में योजना का संचालन/कार्यान्वयन किया जा रहा है।

यह योजना, **जो पहले 405 जिलों में परिचालित थी, अब बहु-क्षेत्रीय प्रयासों के माध्यम से देश के सभी जिलों को कवर करने के लिए विस्तारित की जा रही है।** इसके लिए संबंधित मंत्रालयों/विभागों और अन्य हितधारकों के साथ नीति और कार्यक्रम-संबंधी प्रयास, पहुंच, क्षमता निर्माण और संचार के लिए सभी स्तरों पर क्षैतिज और लंबवत अभिसरण कार्रवाई की आवश्यकता है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का उद्देश्य निम्नलिखित को प्राप्त करना है:

- **जन्म के समय लिंगानुपात (एसआरबी)** में हर साल 2 अंकों का सुधार
- **संस्थागत प्रसव के प्रतिशत में सुधार या 95%** या उससे अधिक की दर पर बने रहना
- प्रति वर्ष प्रसव-रोधी देखभाल (एएनसी) **पंजीकरण में पहली तिमाही में 1% की वृद्धि**
- प्रति वर्ष माध्यमिक शिक्षा स्तर पर नामांकन और बालिकाओं/महिलाओं के **कौशल में 1% की वृद्धि**
- माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर **बालिकाओं के बीच स्कूल छोड़ने की दर को रोकना**
- **सुरक्षित माहवारी स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएम) के बारे में बालिकाओं के बीच जागरूकता बढ़ाना।**

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) या पूंजीगत संपत्ति के निर्माण का कोई प्रावधान नहीं है। यह योजना मुख्य रूप से सभी हितधारकों को सूचित करने, प्रभावित करने, प्रेरित करने, शामिल करने और सशक्त बनाने के माध्यम से देश भर में बालिकाओं को जिस तरह से देखा जाता है, उसमें व्यवहारिक और सामाजिक परिवर्तन लाने पर केंद्रित है। यह उन गतिविधियों पर खर्च को प्रोत्साहित करेगा जिनका सम्मिलित कार्रवाई के माध्यम से जमीनी प्रभाव पड़ता है।

गतिविधियों की नियमावली

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) एक नोडल मंत्रालय है जो नियोजन और कार्यान्वयन के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। यह खंड परिभाषित कार्यनीति और व्यापक सांकेतिक समय-सीमा के साथ प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर विभिन्न मंत्रालयों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों और कदमों का विवरण देगा। बॉक्सों में उल्लिखित गतिविधियाँ प्रकृति से अनिवार्य हैं, और जिलों को इन गतिविधियों का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मूल कार्यनीतियों के पालन में, और विचारोत्तेजक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कैलेंडर का पालन करते हुए, शासन के सभी स्तरों पर मंत्रालय के तहत सभी विभागों और इकाइयों द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ हैं:

क्षमता निर्माण

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण विविध हितधारकों की जरूरतों और तौर-तरीकों को ध्यान में रखेगा और इसमें निम्नलिखित शामिल होंगे:

अभिविन्यास और संवेदीकरण:

- सभी राज्य स्तरीय और जिला स्तरीय समितियों, एसएचईयू/डीएचईयू का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, इसके लक्ष्यों, प्रक्रियाओं, उपकरणों और इसमें उनकी संबंधित भूमिकाओं के बारे में।
- **फ्रंट-लाइन कार्यकर्ता – बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री, आशा, एएनएम, एसएचजी सदस्य और बालिकाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए गतिविधियों और कार्यक्रमों में उनकी भूमिका के बारे में।**
- पीसी एंड पीएनडीटी अधिनियम को सख्ती से लागू किए जाने को सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका और जिम्मेदारी के लिए सीबीओ, सीएमओ, डॉक्टर, नर्स और अन्य चिकित्सा व्यवसायी और इसके लिए समुदायों को कैसे संवेदनशील बनाया जाए।
- जिला, जिला परिषद, जिला स्तरीय महिला केंद्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के अधिकारियों और गैर सरकारी संगठनों, दबाव समूहों और हित समूहों जैसे अन्य हितधारकों के अधिकारियों का अभिविन्यास और संवेदीकरण।

- बालिकाओं की शिक्षा के महत्व और स्कूल स्तर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को लागू करने में उनकी संबंधित भूमिका पर शिक्षक, प्रधानाचार्य, स्कूल बोर्ड, एसएमसी, डीईओ और अन्य स्कूल प्रणाली से संबंधित कर्मचारी।
- **बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कैलेंडर के अनुसार एनवाईके, एनएसएस, भारत स्काउट और अन्य युवा समूहों की आउटरीच और संवेदीकरण गतिविधियों में उनकी भागीदारी भूमिका।**
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और बालिकाओं के महत्व के साथ निर्वाचित प्रतिनिधि (सांसद, विधायक, पीआरआई सदस्य और वार्ड सदस्य) उनके सहयोग पर।
- लैंगिक-संवेदनशील न्याय पर पुलिस अधिकारी, कांस्टेबल और न्यायपालिका जो बालिकाओं और उसके पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए काम करती है का अभिविन्यास और संवेदीकरण।
- संघ – डॉक्टर संघ, शिक्षक संघ, वाणिज्यिक संघ, समुदाय-आधारित क्लब (जैसे रोटरी क्लब, लायंस क्लब, आदि) और अन्य बालिकाओं के महत्व के बारे में संवेदनशील बनाने और लैंगिक समानता व्यवहार पर **समुदाय के सदस्यों के लिंग-संबंधी मुद्दों से निपटने के लिए, रोजमर्रा की जिंदगी में 'नारी शक्ति' के गौरव को शामिल करना और महिलाओं की गरिमा को कायम रखने पर।**

बाल विवाहों पर नजर रखना और उन्हें रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करना

- मीडिया की जेंडर सेंसिटिव रिपोर्टिंग पर।
- बच्चों (लड़कियों और लड़कों) और किशोरों को उनके अधिकारों, हकों, योजनाओं और उन्हें उपलब्ध सुविधाओं के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिकों के रूप में उनके कर्तव्यों के बारे में।
- शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, स्कूल बोर्डों, एसएमसी, डीईओ और अन्य स्कूल प्रणाली से संबंधित कर्मियों को बालिकाओं की शिक्षा के महत्व और स्कूल स्तर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को लागू करने में उनकी संबंधित भूमिका पर।

सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संवाद (एसबीसीसी)

आउटरीच

- जन्म लेने वाली बालिकाओं की संख्या के साथ-साथ लड़कों की संख्या को प्रदर्शित करने के लिए ग्राम पंचायतों और सार्वजनिक स्थानों पर गुड्डी-गुड्डा बोर्डों का प्रदर्शन।
- **लड़कियों के मूल्य और उनकी जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने के लिए माता-पिता/परिवारों के साथ जागरूकता गतिविधियां।**
- वृद्धावस्था सुरक्षा प्रदाता के रूप में समुदाय में बेटियों का सकारात्मक पोषण।
- लड़के/पुत्र-केंद्रित अनुष्ठानोंऔर प्रथाओ को उलटने के लिए प्रोत्साहित करना।
- प्रमुख सामुदायिक और सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शन और वितरण के लिए संचार और आईईसी सामग्री तैयार करना।
- जिला स्तर पर डीसी/डीएम के नेतृत्व में स्थानीय राय निर्माताओं, पीआरआई सदस्यों, विधायकों, सांसदों आदि **सहित सभी हितधारकों द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन।**

हर साल 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन

- हर साल राष्ट्रीय बालिका दिवस पर भारत सरकार और सभी सरकारी अधिकारियों द्वारा बालिकाओं की सुरक्षा, सुरक्षा, महत्व और शिक्षा के लिए शपथ लेना।
- लैंगिक समानता और जागरूकता पैदा करने के लिए जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियान आयोजित करना ताकि महिलाओं और लड़कियों के लिए विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों के तहत सेवाओं के वितरण की मांग को बढ़ावा दिया जा सके।

भागीदारी और समावेशन

- ऐसे प्रयासों की स्वीकृति को बढ़ावा देने के लिए समुदाय द्वारा समर्थन और सामुदायिक जुटाव पहलों में स्थानीय धार्मिक/आध्यात्मिक नेताओं को शामिल करना।
- **स्थानीय बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैंपियंस:** ऊपर सुझाए गए सभी प्रयास स्थानीय समक्ष की कार्यनीतिक भागीदारी और परिवर्तन करने वालों द्वारा किया जा सकता है जो सकारात्मक उदाहरण स्थापित कर सकते हैं और चैंपियन के रूप में काम कर सकते हैं।
- **सहकर्मी साझाकरण और सीखने को सुदृढ़ करने के लिए सामुदायिक सहायता समूह, जबकि स्थानीय मीडिया सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त मीडिया कवरेज के माध्यम से दबाव बना सकता है।**
- डीसी/डीएम इस अभियान के स्थानीय चैंपियन के रूप में काम करने के लिए विधायकों, सांसदों, पीआरआई और यूएलबी की निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों, खेल, शिक्षा, उद्यमिता आदि के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली लड़कियों/महिलाओं तक पहुंच सकते हैं।
- विभिन्न समुदायों की महिलाओं और लड़कियों को उनके जीवन और समुदायों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर भागीदारी और निर्णय लेने में शामिल किया जाना चाहिए।
- **जेंडर की भूमिकाओं, लिंग आधारित समाजीकरण, परिवारों के भीतर श्रम विभाजन और बाल विवाह, लिंग आधारित हिंसा और उत्पीड़न जैसे अन्य मुद्दों पर चर्चा में पुरुषों और लड़कों को शामिल करने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए।**
- 'सेल्फी विद डॉटर्स' जैसे विशिष्ट अभियान बालिकाओं वाले पिताओं पर लक्षित हैं।
- स्थानीय सामुदायिक केंद्र में महिलाओं/लड़कियों के सहायता समूहों के मासिक सत्र आयोजित करना।
- बाल विवाह, बालिकाओं के खिलाफ हिंसा और अन्य संबंधित मुद्दों को समाप्त करने के प्रयासों के लिए किशोरों को एकजुट करने और एक साथ लाने के लिए बाल सभा का आयोजन करना।

पुरस्कार और सम्मान

- बाल विवाह रोकने में मदद करने वाले चैंपियनों का अभिनंदन।
- डीसी/डीएम द्वारा सम्मान के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अनुरूप अनुकरणीय कार्य करने वाले व्यक्तियों या नागरिक समाज संगठनों की पहचान करना।
- शिक्षा/खेल/संस्कृति/सामाजिक कार्य/विज्ञान आदि क्षेत्रों से उपलब्धि हासिल करने वाली लड़कियों को प्रोत्साहित करना।
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ दिवस/राष्ट्रीय बालिका दिवस/अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस/स्वतंत्रता दिवस/गणतंत्र दिवस आदि पर सराहना के रूप में मेधावी लड़कियों और उनके परिवारों को प्रोत्साहित करना।
- स्थानीय मीडिया में बालिकाओं के अनुकरणीय मामले के अध्ययन को उजागर करना, जो बाधाओं के बावजूद सफल हुईं, और उन परिवारों की कहानियां जिन्होंने अपने संघर्षों के बावजूद अपनी बेटियों को आगे बढ़ाया।

नवपरिवर्तन

- बेटी के जन्म पर लोहड़ी मनाना, रक्षाबंधन पर भाई-बहन का एक-दूसरे को राखी बांधना, दोनों बेटे-बेटियों को एक साथ खाना बनाना और गाड़ी चलाना सिखाना आदि जैसे वकालत के प्रयास और सामुदायिक लामबंदी की पहल।
- लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए बेटे की वरीयता और लिंग चयन को बढ़ावा देने वाले सामाजिक रीति-रिवाजों और महिलाओं और लड़कियों के बजाय पुरुषों और लड़कों को पसंद करने वाले लोगों को धीरे-धीरे बदला जा सकता है।

- माता-पिता को दहेज और दिखावटी विवाह समारोहों के आर्थिक बोझ से बचाने के लिए सही उम्र में साधारण शादियों (या यहां तक कि सामूहिक विवाह) को बढ़ावा देना।
- समुदाय में बेटियों और बेटों के लिए समान संपत्ति अधिकार को बढ़ावा देना।
- लड़कियों की शिक्षा पूरी करने और उनके सपनों को पूरा करने के लिए लड़कियों को बढ़ावा देने के लिए जल्दी/बाल विवाह की रोकथाम।
- **भारत के विभिन्न भागों में बड़े पैमाने पर अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की रोकथाम के लिए आयोजन कर विशेष प्रयास करना।**
- संबंधित आईईसी सामग्री और सार्वजनिक प्रदर्शन में उच्च सार्वजनिक इंटरफेस वाले मंत्रालयों/विभागों के साथ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ लोगो का उपयोग करने की संभावना तलाशना।
- सरकारी अधिकारियों के **ईमेल हस्ताक्षरों में जिला स्तर पर अभियान की ब्रांड पहचान और स्वामित्व बनाने के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का अंतर्निहित सामाजिक संदेश हो सकता है।** एनआईसी या राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में कोई अन्य उपयुक्त निकाय कर सकते हैं।

जिला प्रशासन द्वारा बालिकाओं के नाम पर वृक्षारोपण

- **बालिका के नाम पर वृक्षारोपण अभियान:** जिले में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया जाएगा जहां बालिका के जन्म के उपलक्ष्य में कम से कम 5 वृक्ष लगाए जाएंगे।

सम्मिलित कार्रवाई

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

- स्कूलों में लड़कियों के लिए क्रियाशील शौचालय के निर्माण और रखरखाव की सुविधा प्रदान करना।
- लिंग-संवेदनशील तरीके से शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षकों का क्षमता निर्माण।
- लैंगिक समानता के बारे में युवा और किशोर लड़के और लड़कियों को प्रशिक्षण देना।
- स्कूलों में व्यावसायिक प्रशिक्षण में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए अभियान।
- राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता योजना के तहत अभिसरण।
- स्कूल में और अधिक जीवन कौशल गतिविधियों की शुरुआत करना।
- बालिकाओं को उनके भविष्य की योजना बनाने और बाल विवाह से बचने के लिए व्यवस्थित करियर परामर्श प्रदान किया जाएगा।
- बालिकाओं के लिए एसटीईएम शिक्षा में अधिक निवेश और संग्रहालयों, तारामंडलों, अटल टिंकरिंग लैब्स आदि के अधिक दौरों से वैज्ञानिक अभिरुचि पैदा करना।
- सरकारी स्कूलों में लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण शुरू करना।
- सभी स्कूल हॉल और गलियारों में उनकी उपलब्धियों के बारे में एक छोटी झांकी के साथ मजबूत महिला अग्रदूतों की तस्वीरें प्रदर्शित करना।
- उच्च शिक्षा के लिए संक्रमण की संभावनाओं को दिखाने के लिए विज्ञान महाविद्यालयों, आईटीआई और पॉलिटेक्निक के क्षेत्र दौरा के साथ-साथ सभी स्कूलों में अधिक मेले और प्रदर्शनियों को बढ़ावा देना।
- शिक्षण संस्थानों में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और सैनिटरी पैड उपलब्ध कराना।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

- पीसी और पीएनडीटी अधिनियम, एमटीपी अधिनियम के बारे में लोगों सहित सभी हितधारकों के लिए जागरूकता अभियान और संवेदीकरण आयोजित करना।
- मॉक ऑपरेशन करना और सूचना देने वालों को पुरस्कार प्रदान करना।
- मासिक धर्म स्वच्छता व्यवहार सहित पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा के लिए अभिसरण।
- जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम को जोड़ना और सुदृढ़ करना और मासिक धर्म पर कलंक को समाप्त करने पर खुली चर्चा करना।
- लड़कियों और लड़कों के साथ बाल यौन शिक्षा पर विशेष जागरूकता सत्र आयोजित करना।
- स्कूल स्वास्थ्य राजदूत की पहल।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय

- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के माध्यम से प्रत्येक जिले में कौशल कार्यक्रमों में लड़कियों के नामांकन को बढ़ाने के लिए जागरूकता और नामांकन अभियान आयोजित करना।
- लड़कियों को अधिक गैर-पारंपरिक कौशल व्यवसाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- लड़कियों के लिए व्यावसायिक और रोजगारपरक कौशल पर अधिक ध्यान देना।
- लड़कियों/महिला उद्यमियों को वित्त और बाजार से जोड़ना।
- स्किलिंग सेंटरों पर कॅरियर काउंसलिंग और जॉब फेयर का आयोजन।

युवा मामले और खेल मंत्रालय

युवा मामलों का विभाग

- नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के स्वयंसेवकों और अन्य युवाओं के नेतृत्व वाले समूहों के माध्यम से जागरूकता और सामुदायिक जुटाव।
- युवा मामलों के विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ लोगो का उपयोग करना।
- प्रमुख शहरों में युवा संसदों में लड़कियों का समान प्रतिनिधित्व।

खेल विभाग

- समान स्तर पर खेलों में महिला भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए लड़कियों में खेल प्रतिभा की पहचान करना।
- सभी उपलब्ध खेलों के लिए सभी स्कूलों में लड़कियों की खेल टीम बनाना।
- जमीनी स्तर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ संदेश का प्रचार करने के लिए सफल खिलाड़ियों को ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए प्रोत्साहित करना।
- स्कूलों में खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली लड़कियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ब्रांडेड पुरस्कार देना।
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैंपियन और एंबेसडर होने के साथ मशाल वाहक के साथ बालिकाओं के लिए दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय

- सीमांत अल्पसंख्यकों के लिए रोजगार और आजीविका में सुधार लाने के उद्देश्य से लड़कियों को आधुनिक व्यवसायों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना।
- छात्राओं के लिए ओपन स्कूलिंग प्रमाणन प्रदान करना और उत्पादक रोजगार के लिए सॉफ्ट स्किल सहित उच्च गुणवत्ता वाला कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना।
- हुनर हाट के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय की लड़कियों को पारंपरिक उत्पादों और हस्तशिल्प में प्रशिक्षण देना और उनके उत्पादों को बढ़ावा देना।

गृह मंत्रालय

- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैंपियन के रूप में असाधारण प्रदर्शन करने वाले और लैंगिक संवेदनशील पुलिस कर्मियों की पहचान करना।
- अधिक लैंगिक उत्तरदायी न्याय और सेवा प्रदान करने के लिए पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के लिए संवेदनशीलता प्रशिक्षण आयोजित करना।
- जिला स्तर पर महिला पुलिस हेल्प डेस्क के माध्यम से स्कूलों और कॉलेजों में पुलिस की पहुंच बढ़ाना।
- इन संस्थानों को बच्चों और युवा वयस्कों के लिए अधिक सुलभ और सुगम बनाने के लिए पुलिस स्टेशनों, महिला थानों का दौरा और पुलिस कर्मियों के साथ बातचीत।

ग्रामीण विकास मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

- राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) के तहत अभिसरण।
- सामाजिक कार्य समिति के साथ अभिसरण।

आवास और शहरी कार्य मंत्रालय

- लिंग चयन, बाल विवाह के अवैध कार्य की पहचान करने के लिए सामुदायिक निगरानी समूह बनाना।

पंचायती राज मंत्रालय

- लिंग चयन के अवैध कार्य की पहचान करने के लिए सामुदायिक निगरानी समूह बनाना।
- पायलट आधार पर बाल और लैंगिक अनुकूल पंचायत का विकास करना।
- पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के सदस्यों के साथ बालिकाओं के मूल्य पर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सत्र आयोजित करना और उनकी ग्राम पंचायतों (जीपी) में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ गतिविधियों को लागू करना।
- सभी ग्राम पंचायतों में बाल सभाओं का आयोजन। इन सभाओं में युवा नेताओं का प्रशिक्षण, हाथ पकड़ना और उनका अभिनंदन करना।

गतिविधि कैलेंडर

लड़कियों, उनके परिवारों और समुदायों की साल भर की गतिविधियां सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञ एजेंसियों, राज्य विभागों और बालिकाओं के साथ काम करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के परामर्श से जिलों के लिए एक विस्तृत और अच्छी तरह से सुझाया गया गतिविधि कैलेंडर (अनुलग्नक-I में प्रारूप) विकसित किया गया है। प्रत्येक माह के भीतर कई गतिविधियों का सुझाव दिया गया है; हालाँकि, जिले अपने स्थानीय संदर्भ और जरूरतों के आधार पर अपनी गतिविधियाँ संचालित करने का विकल्प चुन सकते हैं:

- प्रत्येक कैलेंडर माह में उस महीने के भीतर आने वाली किसी भी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय दिवस के आधार पर उसे एक प्रसंग दी जाती है। अधिकांश महीनों में एक रूपरेखा अभिसरण मंत्रालय/विभाग होता है, जिसके साथ उस महीने के भीतर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए केंद्रित प्रयास किए जाएंगे। कैलेंडर में किसी खास प्रसंग को चुनने का औचित्य भी रखा गया है।
- प्रासंगिक गतिविधियों के साथ एक विशेष महीने के भीतर प्रस्तावित साप्ताहिक केन्द्रित क्षेत्रों का भी सुझाव दिया गया है। विकास के एक विशेष क्षेत्र के भीतर बालिकाओं और उनके पारिस्थितिकी तंत्र के समग्र विकास के सभी पहलुओं को शामिल करने का विचार है।

प्रशासनिक नियमावली

संगठनात्मक संरचना

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के लिए प्रशासनिक ढांचा कार्यान्वयन के सभी स्तरों पर मिशन शक्ति के बड़े ढांचे के अनुरूप और सन्निहित होगा।

महिलाओं द्वारा सरकारी योजनाओं की पहुंच और उपयोग में सुधार के लिए विस्तृत संरचना नीचे दिए गए चित्र में देखी जा सकती है।

राष्ट्रीय स्तर

महिला और बाल विकास मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता वाली एक समिति, बड़े मिशन शक्ति अधिदेश के तहत बनाई गई है, जो राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासन के साथ नियमित अंतराल पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के कार्यान्वयन की समीक्षा करने वाली **शीर्ष समिति** होगी।

समिति वर्ष में कम से कम एक बार अधिमानतः अप्रैल के महीने में बैठक करेगी और समग्र योजना गतिविधियों की प्रगति और उद्देश्यों की उपलब्धि की स्थिति की निगरानी करेगी।

केंद्रीय स्तर पर, मिशन शक्ति के एक भाग के रूप में, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की देखभाल एक एकल और समर्पित पीएमयू जिसे **राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण केंद्र (एनएचईडब्ल्यू)** कहा जाता है द्वारा की जाएगी। एनएचईडब्ल्यू के दो कार्यक्षेत्र हैं- एक प्रशासनिक कार्य के लिए और दूसरा समन्वय और अभिसरण हेतु विशेष और समर्पित सेवाओं के लिए।

राज्य स्तर

राज्य/संघ शासित क्षेत्र स्तर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का समग्र कार्यान्वयन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मिशन शक्ति के लिए गिठत एक समिति द्वारा किया जाएगा। समिति महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग और संबंधित राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों का गठन करेगी।

राज्य स्तर पर मिशन शक्ति के लिए एक समर्पित पीएमयू, **राज्य महिला सशक्तिकरण केंद्र (एसएचईडब्ल्यू)** सभी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से संबंधित अभिसरण/समन्वय के लिए केंद्रीय मंत्रालयों के साथ-साथ जिलों के साथ काम करेगा।

जिला स्तर

जिला स्तर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का समग्र कार्यान्वयन जिलाधिकारी/जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली मिशन शक्ति समिति द्वारा किया जाएगा और महिला एवं बाल विकास विभाग (डीपीओ/डीडब्ल्यूओ/डीसीपीओ आदि) के प्रभारी अधिकारी और अन्य नोडल विभाग होंगे।

समिति जिला कार्य योजना (अनुलग्नक-IV में प्रारूप) भी तैयार करेगी। कार्यनीतिक हस्तक्षेप के लिए जिलों द्वारा नागरिक समाज संगठन, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य बाहरी एजेंसियों के साथ भी कोई साझेदारी की जा सकती है।

जिला स्तर पर, मिशन शक्ति समर्पित पीएमयू, जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (डीएचईडब्ल्यू), एमडब्ल्यूसीडी से वित्तीय सहायता के साथ राज्य/जिला बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ तन्त्र को तकनीकी/जनशक्ति सहायता प्रदान करेगा।

जिला स्तर पर जिला परिवीक्षा/कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) जिलाधिकारी के समग्र पर्यवेक्षण में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के कार्यान्वयन और निष्पादन के लिए नोडल अधिकारी होंगे। नोडल अधिकारी यह सुनिश्चित करेगा कि एमआईएस को तिमाही अपडेट किया जाए।

शीर्ष निकाय

केंद्रीय-स्तर समिति

सचिव, MWCD के नेतृत्व में

- राज्य/संघ शासित क्षेत्र के साथ योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा और गुणवत्ता मानदंडों की निगरानी
- साल में एक बैठक का आयोजन
- केंद्रीय कार्य को अंतिम रूप देना
- योजना बनाना और राज्य कार्य योजना को मंजूरी देना

राज्य-स्तर समिति

मुख्य सचिव के नेतृत्व में

- साल में दो बैठकों का आयोजन
- राज्य की वार्षिक कार्य योजना तैयार करना
- किसी एजेंसी को अनुदान जारी रखने की समीक्षा करना और उसे मंजूरी देना

जिला-स्तर समिति

डीसी/डीएम के नेतृत्व में

- तिमाही में एक बैठक
- डब्ल्यूसीडी-डीपीओ, जिला कल्याण अधिकारी (डीडब्ल्यूओ), डीसीपीओ और अन्य विभागों के अधिकारी
- जिला, प्रखंड और पंचायतों/वार्डों के लिए जिला कार्य योजना तैयार करना

कार्यान्वयन

राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण केंद्र

- केंद्रीय पीएमयू

राज्य महिला सशक्तिकरण केंद्र

- राज्य/ संघ शासित क्षेत्र स्तर का पीएमयू
- 8 कार्मिक
  - 3–4 प्रशासनिक कर्मचारी

जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र

- जिला-स्तरीय पीएमयू
- 8 कार्मिक
  - 3–4 प्रशासनिक कर्मचारी

वित्तीय प्रावधान

चूंकि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ संबल उप-योजना का एक घटक है, मिशन शक्ति दिशानिर्देशों के पैरा 3.3 के अनुसार, 100% वित्त पोषण केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मिशन शक्ति दिशानिर्देशों के **अनुलग्नक-V** के अनुसार, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत वित्तीय आवंटन निम्नानुसार होगा।

	प्रति वर्ष	मौजूदा इकाई	इकाइयों की संख्या (2021–22)	इकाइयों की संख्या (2022–23)	इकाइयों की संख्या (2023–24)	इकाइयों की संख्या (2024–25)	इकाइयों की संख्या (2025–26)
≤ 918 एसआरबी वाले जिले	40 लाख	405	405	169	169	169	169
> 918 और ≥ 952 एसआरबी वाले जिले	30 लाख			347	347	347	347
नए जिले*	30 लाख			21	21	21	21
> 952 एसआरबी वाले जिले	20 लाख			218	218	218	218
कुल				**755**	**755**	**755**	**755**

*नए जिले (कुल संख्या 21) जिनका वर्ष 2020–21 के लिए एचएमआईएस पर एसआरबी आंकड़े उपलब्ध नहीं है, उन्हें 30 लाख रुपये के तहत रखा गया है। इसके अलावा, आने वाले वर्षों में बनने वाले किसी भी नए जिले को भी 30 लाख रुपये के दायरे में रखा जाएगा।

जिलों को धनराशि का आवंटन जिलों की अंतर एसआरबी स्थिति के आधार पर किया गया है। जब वर्ष 2014–15 में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना शुरू की गई थी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एचएमआईएस आंकड़े के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर एसआरबी 918 था। इसके अलावा, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, जन्म के समय प्राकृतिक लिंगानुपात के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक 952 है।

पिछले सात वर्षों में, कई जिलों ने एसआरबी में सुधार दिखाया है। हालाँकि, 918 से कम या इसके बराबर एसआरबी वाले जिलों में अधिक प्रयासों की आवश्यकता है। इसलिए, वर्ष 2020–21 के लिए एसआरबी के एचएमआईएस आंकड़े के अनुसार, जिलों की अंतर एसआरबी स्थिति को ध्यान में रखते हुए, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ घटक के तहत धन जारी करने के लिए तीन कोष्ठक को उपरोक्त तालिका में उल्लिखित अनुसार निर्धारित किया गया है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ घटक के तहत, अनुदान एक वर्ष में एक किस्त में जारी किया जाएगा। जिलों की सूची उनके आवंटन के साथ अनुलग्नक-V पर है।

जिला कोष का विवरण नीचे दिया गया है।

जिला-स्तरीय निधि विश्लेषण (लाख में)			
क्र.सं.	गतिविधि/मद	बजट की उच्चतम सीमा	राशि (लाख में)
1.	महिला एवं बाल विकास विभाग की क्षेत्रीय गतिविधियां • क्षमता निर्माण • अभिविन्यास और संवेदीकरण • आउटरीच • नवीनीकरण • आईईसी सामग्री • निगरानी और प्रलेखन	50%	
2.	भागीदार और संबंधित विभागों के साथ अभिसरण में क्षेत्रीय गतिविधियाँ	40%	
3.	फ्लेक्सी फंड	10%	

जिला कार्य योजना

इस दस्तावेज़ के अनुलग्नक-II में वार्षिक जिला कार्य योजना का एक व्यापक सांकेतिक टेम्पलेट दिया गया है, जो बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ समिति और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जिला केंद्र की मदद से उनकी आवश्यकता के अनुसार जिलों के लिए योजना गतिविधियों (अनुलग्नक-I पर प्रारूप) का सूचक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कैलेंडर बनाने में मदद करेगा।

महिला और बाल विकास मंत्रालय की कार्यनीतिक गतिविधियों के साथ-साथ अन्य संबंधित मंत्रालयों के साथ अभिसरण कार्रवाई, प्रत्येक गतिविधि के लिए अनुमानित बजट राशि के साथ जिला कार्य योजना में तिमाही के अनुसार दर्ज की जाएगी। अगले वित्त वर्ष के लिए वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में जिला कार्य योजना केंद्र को चिह्नित एक प्रति के साथ राज्य को प्रस्तुत की जाएगी।

रिपोर्टिंग और दस्तावेज़ीकरण

जवाबदेही और सेवा सुधार सुनिश्चित करने के लिए, योजना से संबंधित जिला स्तर पर संचालित सभी गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करना महत्वपूर्ण है।

राज्य स्तरीय/जिला स्तरीय निगरानी समिति, जैसा भी मामला हो, तिमाही आधार पर योजना के लिए वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन तथ्य (भौतिक प्रगति) दोनों की निगरानी रिपोर्ट तैयार करेगी।

जिला नोडल अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ खंड के तहत मिशन शक्ति द्वारा बनाए गए एमआईएस पोर्टल पर तिमाही रिपोर्टिंग की जाती है। डीपीओ को डीएचईडब्ल्यू द्वारा समन्वय अधिकारी के रूप में नामित किया जा सकता है जो पोर्टल में प्रस्तुत करने के लिए तिमाही रिपोर्ट को संकलित करने के लिए जिम्मेदार होगा।

प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस)

समग्र मिशन शक्ति की वास्तविक समय की निगरानी को सक्षम करने के लिए एमडब्ल्यूसीडी द्वारा एक व्यापक वेब-आधारित रिपोर्टिंग प्रणाली विकसित और स्थापित की जाएगी। वेब-सक्षम निगरानी प्रणाली तथ्य की गोपनीयता बनाए रखते हुए आसान पहुंच प्रदान करने वाला एक उपयोगकर्ता-अनुकूल एकल पोर्टल होगा।

यह अन्य बातों के साथ-साथ सेवा वितरण संरचनाओं की स्थापना सहित कार्यक्रम की निगरानी को सक्षम करेगा; उपलब्ध संस्थानों के नेटवर्क, प्रदान की जा रही सेवाओं, मानव संसाधन, वित्तीय संसाधनों और लाभार्थियों के बारे में सटीक जानकारी देगा।

जिला स्कोर कार्ड

जिला-स्तरीय स्कोर कार्ड (अनुलग्नक-III पर प्रारूप) मिशन शक्ति एमआईएस से प्राप्त किए गए आंकड़ों के आधार पर बनाया जाएगा। प्रक्रिया संकेतक और परिणाम संकेतक जिला स्कोर कार्ड में अलग से दर्ज किए जाएंगे। परिणाम संकेतकों को बालिकाओं की सुरक्षा, उत्तरजीविता, स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास की व्यापक श्रेणी में विभाजित किया गया है। प्रक्रिया संकेतक संस्थागत तंत्र के तहत उठाए गए कदमों और योजना के कार्यान्वयन के विभिन्न स्तरों पर किए गए क्षमता निर्माण उपायों के तहत व्यापक संकेतकों पर आधारित हैं।

वार्षिक जिला बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ रैंकिंग एमआईएस के आधार पर जिला स्कोर कार्ड के अनुसार मंत्रालय द्वारा जारी की जाएगी। राज्य के प्रदर्शन को पकड़ने के लिए यह डेटा राज्य स्तर पर भी एकत्र किया जाएगा।

सर्वोत्तम अभ्यास टेम्पलेट

कई जिलों ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के उद्देश्यों को प्राप्त करने में एक असाधारण काम किया है और कई नवीन पहलों का नेतृत्व किया है जिनका उपयोग अन्य जिलों द्वारा अच्छी शिक्षा के रूप में किया जा सकता है। मिशन शक्ति के तहत मंत्रालय द्वारा बनाए गए एमआईएस पोर्टल में मात्रात्मक परिणामों को दर्ज किया जा सकता है, लेकिन उन उद्देश्यों की प्राप्ति के पीछे गुणात्मक प्रयास आमतौर पर छूट जाते हैं। प्रक्रिया, सीखने और उन उद्देश्यों को प्राप्त करने में आने वाली चुनौतियों को पकड़ने के लिए, एक अलग रिपोर्टिंग तंत्र का उपयोग करने की आवश्यकता है।

जिला स्तर पर सीखे गए पाठों और इन नवीन प्रथाओं को जानने के लिए, इस मैनुअल के साथ एक सेट प्रारूप (अनुलग्नक-IV) में एक सर्वोत्तम अभ्यास टेम्पलेट पेश किया गया है, जिसका उपयोग जिलों द्वारा व्यापक उपलब्धियों को जानने के लिए किया जाता है, जिसे वे एक अच्छा अभ्यास मानते हैं। जिलों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस प्रारूप को भरकर राज्य को प्रस्तुत करें। राज्य स्तर पर इन सर्वोत्तम प्रथाओं के संकलन के लिए एसएचईडब्ल्यू जिम्मेदार होगा। प्रत्येक राज्य वार्षिक आधार पर अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं का संग्रह केंद्र को प्रस्तुत करेगा।

मूल्यांकन और लेखा परीक्षा

योजना का मूल्यांकन राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नीति आयोग के परामर्श से महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा नामित एक स्वतंत्र तृतीय पक्ष एजेंसी द्वारा किया जाएगा।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के मानदंडों के अनुसार अंकेक्षण किया जाएगा और उस चैनल का केंद्र और राज्य सरकार के स्तर पर पालन किया जाएगा।

अनुलग्नक-I बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कैलेंडर

महीना	जनवरी					
विषय	बालिका का महत्व	मंत्री स्तरीय अभिसरण	घटनाओं की सुझाई गई सूची		महत्वपूर्ण तिथियाँ	
औचित्य	इस महीने में राष्ट्रीय बालिका दिवस है।		गतिविधि_1	गतिविधि_2	तारीख	कार्यक्रम
प्रस्तावित साप्ताहिक केंद्र बिंदु के क्षेत्र	जन्म के समय लिंग अनुपात	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	संवेदनशीलता अभियान	पीसी और पीएनडीटी अधिनियम प्रवर्तन अभियान	12 जनवरी	राष्ट्रीय युवा दिवस
	बेटी जन्मोत्सव	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	बेटी के साथ सेल्फी – डिजिटल अभियान	सशक्त माताओं के योगदान का जश्न मनाएं	24 जनवरी	राष्ट्रीय बालिका दिवस
	बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अनुकूल गांव/शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) की घोषणा	पंचायती राज मंत्रालय/ आवास और शहरी कार्य मंत्रालय	बालिका केंद्रित योजना	बालिका के नाम पर पौधारोपण अभियान		
	लड़कियों के नेतृत्व पर ध्यान देना	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय	सरपंचों व प्रधानों द्वारा बालिकाओं का अभिनंदन	बालिका के महत्व पर लोक गीतों और आदिवासी गीतों का उपयोग करना		

महीना	फ़रवरी					
विषय	शिक्षा	मंत्री स्तरीय अभिसरण	घटनाओं की सुझाई गई सूची		महत्वपूर्ण तिथियाँ	
औचित्य	नामांकन शुरू होने से पहले जागरूकता के लिए अवसर की सही खिड़की		गतिविधि_1	गतिविधि_2	तारीख	कार्यक्रम
प्रस्तावित साप्ताहिक केंद्र बिंदु के क्षेत्र	लड़कियों के लिए एसटीईएम शिक्षा	स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय	विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अग्रणी महिलाओं को मान्यता देना	विज्ञान मेले और प्रदर्शनियाँ	11 फरवरी	विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस
	स्कूल छोड़ने वाली लड़कियों को स्कूल में वापस लाना	स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय	स्कूल न जाने वाली किशोरियों और उनके परिवारों को परामर्श	अटल टिंकरिंग लैब गतिविधियाँ	13 फरवरी	विश्व रेडियो दिवस
	उच्च शिक्षा के लिए परिवर्तन काल	स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय	आजीविका परामर्श गतिविधियाँ	तारामंडल और संग्रहालयों का अनावरण दौरा		
	जीवन कौशल	स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय	स्कूल स्तर पर जीवन कौशल प्रशिक्षण	साइंस कॉलेजों, आईटीआई और पॉलिटेक्निक की फील्ड यात्राएं		

महीना	मार्च					
विषय	लैंगिक समानता	मंत्री स्तरीय अभिसरण	घटनाओं की सुझाई गई सूची		महत्वपूर्ण तिथियाँ	
औचित्य	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस		गतिविधि_1	गतिविधि_2	तारीख	कार्यक्रम
प्रस्तावित साप्ताहिक केंद्र बिंदु के क्षेत्र	भेदभाव समाप्त करना	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	नुक्कड़ नाटक, लोक मीडिया	माइकिंग/ जागरूकता वैन	8 मार्च	अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस
	किशोरों का जेंडर समाजीकरण	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रशिक्षण सत्र	स्कूलों में चलचित्र स्क्रीनिंग		
	पुरुषों और लड़कों के साथ जुड़ाव	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	केंद्रित चर्चाएँ	टीवी/रेडियो पर समानता के बारे में बात करने वाले सेलिब्रिटी पुरुषों के साक्षात्कार/ बाइट्स		
	वंचित महिलाओं और लड़कियों पर विशेष ध्यान	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	नारी की चौपाल			

महीना	अप्रैल					
विषय	खेल और क्रीड़ा	मंत्री स्तरीय अभिसरण	घटनाओं की सुझाई गई सूची		महत्वपूर्ण तिथियाँ	
औचित्य	अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस इसी महीने में पड़ता है।		गतिविधि_1	गतिविधि_2	तारीख	कार्यक्रम
प्रस्तावित साप्ताहिक केंद्र बिंदु के क्षेत्र	खेल कलंक को समाप्त करना	खेल विभाग, युवा मामले और खेल मंत्रालय	टीवी विज्ञापन	दीवार पेंटिंग्स और होर्डिंग	6 अप्रैल	विकास और शांति के लिए अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस
	सभी खेलों के लिए लड़कियों की टीम बनाना	खेल विभाग, युवा मामले और खेल मंत्रालय	सभी खेलों के लिए सभी विद्यालयों में बालिका खेल टीमें उपलब्ध हैं	प्रसिद्ध महिला खिलाड़ियों के प्रेरक बाइट बजाना	7 अप्रैल	विश्व स्वास्थ्य दिवस
	बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैंपियन और राजदूत	खेल विभाग, युवा मामले और खेल मंत्रालय	जिला-स्तरीय खेल चैंपियन घोषित करना और बढ़ावा देना	मशाल वाहक दौड़	24 अप्रैल	पंचायती राज दिवस
	एनएसएस और एनवाईकेएस स्वयंसेवकों के माध्यम से जागरूकता और सामुदायिक लामबंदी	खेल विभाग, युवा मामले और खेल मंत्रालय	खेल प्रतियोगिताएं (स्कूल से राज्य स्तर तक)	जागरूकता अभियान (एनएसएस संवर्गों का उपयोग करके)		

महीना	मई					
विषय	बाल विवाह समाप्त करना	मंत्री स्तरीय अभिसरण	घटनाओं की सुझाई गई सूची		महत्वपूर्ण तिथियाँ	
औचित्य	अक्षय तृतीया इस महीने या उसके आसपास आती है।		गतिविधि_1	गतिविधि_2	तारीख	कार्यक्रम
प्रस्तावित साप्ताहिक केंद्र बिंदु के क्षेत्र	बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं शहरी स्थानीय निकाय	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	बाल विवाह पर नज़र रखना	चेकलिस्ट के आधार पर बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायतों/शहरी स्थानीय निकायों को घोषित करना और प्रोत्साहन देना	1 मई	मजदूर दिवस
	“पिता बाल विवाह के खिलाफ”	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	विशेष अभियान का लक्ष्य बालिकाओं के पिताओं को साथ लाना है	बाल पंचायत की बैठकों का प्रचार-प्रसार करें	14 मई	मातृ दिवस
	मुखबिरों का अभिनंदन	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	बाल विवाह रोकने में मदद करने वाले चैंपियन का सम्मान करते हुए			
	सादा विवाह और कोई दहेज नहीं	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय				

महीना	जून					
विषय	कौशल विकास	मंत्री स्तरीय अभिसरण	घटनाओं की सुझाई गई सूची		महत्वपूर्ण तिथियाँ	
औचित्य	स्कूलों में ग्रीष्मावकाश के साथ तालमेल बैठाना		गतिविधि_1	गतिविधि_2	तारीख	कार्यक्रम
प्रस्तावित साप्ताहिक केंद्र बिंदु के क्षेत्र	वित्तीय साक्षरता	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय	जागरूकता शिविर	जन सेवा केंद्र चलाने के लिए लड़कियों को प्रशिक्षण देना	1 जून	माता-पिता का वैश्विक दिवस
	कॅरियर परामर्श	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय	स्कूलों और कौशल केंद्रों में परामर्श सत्र	स्कूल से बाहर किशोरियों के कौशल विकास में एकीकरण का उत्सव	21 जून	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
	व्यावसायिक कौशल	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय	नामांकन अभियान	जीवन कौशल पर पाठ्यक्रम में योग को शामिल करना		
	अल्पसंख्यक समुदायों का कौशल विकास	अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय	नौकरी मेला	हुनर हाट के माध्यम से पारंपरिक महिला कारीगरों को अपने हस्तशिल्प के विपणन के लिए समर्थन और सुविधा प्रदान करना		

महीना	जुलाई					
विषय	डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा	मंत्री स्तरीय अभिसरण	घटनाओं की सुझाई गई सूची		महत्वपूर्ण तिथियाँ	
औचित्य	यह विषय महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण है।		गतिविधि_1	गतिविधि_2	तारीख	कार्यक्रम
प्रस्तावित साप्ताहिक केंद्र बिंदु के क्षेत्र	डिजिटल लिंग विभाजन को कम करना	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	मेधावी छात्रों को ई-लर्निंग डिवाइस वितरित करना	दूरस्थ क्षेत्रों में बैंडविड्थ और इंटरनेट कनेक्शन बढ़ाना	15 जुलाई	विश्व युवा कौशल दिवस
	ऑनलाइन सुरक्षा के लिए टिप्स	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	स्कूलों में डिजिटल विशेषज्ञों के साथ सुरक्षा सत्र	व्यवसायी महिलाएं अल्पसंख्यक समुदायों की युवा लड़कियों के साथ बातचीत		
	डिजिटल कौशल और सीखना	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय	शिक्षा और रोजगार के लिए तकनीक का उपयोग करने की मूल बातें पर यूट्यूब रिपॉजिटरी			
	डिजिटल बदमाशी को समाप्त करना	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	ट्रोलिंग और डिजिटल बुलिंग पर वीडियो श्रृंखला			

महीना	अगस्त					
विषय	यौन और प्रजनन स्वास्थ्य	मंत्री स्तरीय अभिसरण	घटनाओं की सुझाई गई सूची		महत्वपूर्ण तिथियाँ	
औचित्य	यह एमएचएफडब्ल्यू स्तनपान सप्ताह के अनुरूप है।		गतिविधि_1	गतिविधि_2	तारीख	कार्यक्रम
प्रस्तावित साप्ताहिक केंद्र बिंदु के क्षेत्र	मासिक धर्म स्वास्थ्य	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) को जोड़ना और मजबूत करना	आयुष जन औषधि केंद्र का प्रचार-प्रसार	12 अगस्त	अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस
	सेक्स पर व्यापक शिक्षा	स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय	लड़कियों और लड़कों के साथ व्यापक यौनिकता शिक्षा पर विशेष सत्र	गरिमा और व्यक्तिगत भलाई पर सत्र	29 अगस्त	विश्व खेल दिवस
	व्यक्तिगत स्वच्छता और इसका महत्व	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	मासिक धर्म पर कलंक को समाप्त करने पर खुली चर्चा	स्कूल स्वास्थ्य राजदूत पहल		
	लड़कियों के अनुकूल वॉश प्रथाएं	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	लिंग लेंस से स्कूलों में वॉश के मानदंडों की समीक्षा करना और उन्हें लागू करना			

महीना	सितंबर					
विषय	पोषण	मंत्री स्तरीय अभिसरण	घटनाओं की सुझाई गई सूची		महत्वपूर्ण तिथियाँ	
औचित्य	स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ बेहतर अभिसरण के लिए जो सितंबर को पोषण माह के रूप में मनाता है।		गतिविधि_1	गतिविधि_2	तारीख	कार्यक्रम
प्रस्तावित साप्ताहिक केंद्र बिंदु के क्षेत्र	लड़कियों में एनीमिया का समाधान करना	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	पोषाहार पर स्वास्थ्य शिविर		1 से 7 सितंबर तक	राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
	सही खान-पान	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	सभी आंगनबाडी केन्द्रों, विद्यालयों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में संतुलित आहार चार्ट			
	सुरक्षित और गरिमापूर्ण स्तनपान	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	सार्वजनिक क्षेत्रों में महिलाओं के लिए स्तनपान के लिए सुरक्षित स्थान बनाना			
	स्थानीय और स्वदेशी खाने की आदतें	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	स्थानीय व्यंजनों और व्यंजनों के साथ फूड हाट का आयोजन	स्वदेशी व्यंजनों और खाद्य पद्धतियों के साथ एक कॉफी टेबल बुक का संकलन		

महीना	अक्टूबर					
विषय	मानसिक और मनो सामाजिक स्वास्थ्य	मंत्री स्तरीय अभिसरण	घटनाओं की सुझाई गई सूची		महत्वपूर्ण तिथियाँ	
औचित्य	विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस		गतिविधि_1	गतिविधि_2	तारीख	कार्यक्रम
प्रस्तावित साप्ताहिक केंद्र बिंदु के क्षेत्र	स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य समर्थन पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर ध्यान देना	स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय	मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के आसपास कलंक को समाप्त करना	मानसिक स्वास्थ्य पर लघु एनिमेटेड वीडियो बनाना	10 अक्टूबर	विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस
	संवाद	स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय	किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर सामूहिक चर्चा	लड़कों को विषाक्त पुरुषत्व के मानदंडों से बचाना	11 अक्टूबर	अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस
	सहकर्मी सहायता समूह	स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय	समान मुद्दों वाले सुरक्षित सहायता समूहों की स्थापना		15 अक्टूबर	अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस
	किशोरों की भावनात्मक जरूरतें	स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय	श्रव्य-दृश्य उपकरण और मूवी स्क्रीनिंग		16 अक्टूबर	विश्व खाद्य दिवस

महीना	नवंबर					
विषय	सुरक्षा और संरक्षा	मंत्री स्तरीय अभिसरण	घटनाओं की सुझाई गई सूची		महत्वपूर्ण तिथियाँ	
औचित्य	यह लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के वैश्विक 16-दिवसीय अभियान के अनुरूप है।		गतिविधि_1	गतिविधि_2	तारीख	कार्यक्रम
प्रस्तावित साप्ताहिक केंद्र बिंदु के क्षेत्र	लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करना	गृह मंत्रालय	लड़कों और पुरुषों को संवेदनशील बनाना	बाल सभाओं का गांवों में लड़कियों की सुरक्षा पर कार्यक्रम	14 नवंबर	बाल दिवस
	महिला पुलिस थाना	गृह मंत्रालय	समझने के लिए महिला पुलिस अधिकारियों के साथ बातचीत	आत्मरक्षा प्रशिक्षण	20 नवंबर	बाल अधिकार दिवस
	सुरक्षित गतिशीलता	गृह मंत्रालय	महिला सुरक्षा का जिला एवं ग्राम स्तर पर मूल्यांकन	जागरूकता और मूल्यांकन के लिए नेहरू युवा केंद्र/भारत स्काउट और गाइड		
	केवल महिला सुरक्षित स्थान (वन-स्टॉप सेंटर)	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	सभी जिलों में वन स्टॉप सेंटरों की स्थापना एवं नियमित क्षमता	महिलाओं/ लड़कियों के सत्र होने से केवल स्थानीय सामुदायिक केंद्र में मासिक रूप से निर्धारित तिथि पर समूहों का समर्थन होता है		

महीना	दिसंबर					
विषय	अपने अधिकार जानें (लड़कियों के अधिकार)	मंत्री स्तरीय अभिसरण	घटनाओं की सुझाई गई सूची		महत्वपूर्ण तिथियाँ	
औचित्य	पॉश और पॉक्सो अधिनियम की लॉन्च तिथि के साथ संरेखित करना		गतिविधि_1	गतिविधि_2	तारीख	कार्यक्रम
प्रस्तावित साप्ताहिक केंद्र बिंदु के क्षेत्र	आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक अधिकार	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	विद्यालयों एवं आंगनबाडी केन्द्रों में बालिकाओं को उनके अधिकारों पर प्रशिक्षण देना	महिला थानों का भ्रमण	5 दिसंबर	अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस
	लैंगिक समान युवा संसद	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	जनप्रतिनिधियों व वकीलों से बातचीत	बाल सभाओं का गठन		
			प्रमुख शहरों में युवा संसदों में लड़कियों का समान प्रतिनिधित्व			

अनुलग्नक-II. जिला कार्य योजना प्रारूप

प्रारूप

जिला कार्य योजना – बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ									
जिला स्तरीय गतिविधियां			कार्यान्वयन समय सीमा						
मुख्य शीर्ष	उप शीर्ष	गतिविधि	तिमाही 1	तिमाही 2	तिमाही 3	तिमाही 4	कुल इकाइयां	प्रति इकाई लागत	कुल लागत
महिला और बाल विकास की क्षेत्रीय गतिविधियाँ (बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कैलेंडर के आधार पर) (50%)	अभिविन्यास और संवेदीकरण								
	आउटरीच								
	नवीनीकरण								
	क्षमता निर्माण								
	आईईसी सामग्री								
	निगरानी और दस्तावेज़ीकरण								
	अन्य								
संबंधित विभागों और अन्य भागीदारों के साथ अभिसरण में क्षेत्रीय गतिविधियाँ (बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कैलेंडर के आधार पर) (40%)	अंतर-क्षेत्रीय								
	शिक्षा								
	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण								
	कौशल विकास								
	खेल और युवा मामले								
	अल्पसंख्यक मामले								
	गृह								
	पंचायती राज								
	ग्रामीण विकास								
	आवास और शहरी मामले								
	अन्य								
फ्लेक्सी फंड (10%)									

अनुलग्रक-III. जिला स्कोर कार्ड

नमूना

श्रेणी	क्षेत्र	सूचक	कुल जिला	ग्रामीण	शहरी	आंकड़ा स्रोत	श्रेणी	जिला दर्जा
संरक्षण	बाल लिंग अनुपात	वर्ष के लिए जन्म के समय लिंग अनुपात						

सूचक

श्रेणी	क्षेत्र	सूचक
संरक्षण	बाल लिंग अनुपात	वर्ष के लिए जन्म के समय लिंग अनुपात
उत्तरजीविता और स्वास्थ्य	मातृ स्वास्थ्य	नवजात मृत्यु दर
		शिशु मृत्यु दर
		जिले (18–49 वर्ष की आयु) में प्रति 1,000 महिलाओं की जनसंख्या पर एएनसी पंजीकरण का प्रतिशत
		पहली तिमाही में प्रसवपूर्व जांच कराने वाली गर्भवती महिलाओं का कुल प्रतिशत
		गर्भवती महिलाओं का कुल प्रतिशत जिनके पास कम से कम 4 प्रसवपूर्व देखभाल यात्राएँ थीं
	वितरण	संस्थागत प्रसव का कुल प्रतिशत
	पीसी और पीएनडीटी अधिनियम	प्रति व्यक्ति दायर मामलों/शिकायतों की संख्या
		स्थापित पीसी और पीएनडीटी प्रकोष्ठों की संख्या
		प्रति व्यक्ति किए गए निरीक्षणों की संख्या
	एस एंड आर स्वास्थ्य	मासिक धर्म स्वास्थ्य पर जागरूकता सत्रों की संख्या
		मासिक धर्म स्वास्थ्य सत्र (11-18 वर्ष) के तहत पहुंचने वाली लड़कियों का कुल प्रतिशत
शिक्षा	लड़कियों का नामांकन	माध्यमिक शिक्षा में लड़कियों का नामांकन अनुपात
		वरिष्ठ माध्यमिक में लड़कियों का नामांकन अनुपात
		उच्च शिक्षा में लड़कियों का नामांकन अनुपात
	स्कूल छोड़ दिया	स्कूल से बाहर लड़कियों की संख्या को स्कूलों में फिर से नामांकित किया गया
	प्रसाधन	लड़कियों के लिए पूरी तरह कार्यात्मक शौचालय वाले बालिका विद्यालयों का कुल प्रतिशत
		लड़कियों के लिए पूर्ण कार्यात्मक शौचालय वाले सह-शिक्षा विद्यालयों का कुल प्रतिशत
विकास	स्किलिंग	प्रति 1000 किशोरियों पर कौशल योजना में लड़कियों का नामांकन
		नामांकित लड़कियों का प्रतिशत प्रमाणित
	चैंपियंस	बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैंपियन के रूप में पहचाने जाने वाले खिलाड़ियों की संख्या
संस्थागत तंत्र	जिला समिति की बैठकें	आयोजित जिला समिति की बैठकों की संख्या
	क्रॉस लर्निंग	जिला अधिकारियों द्वारा किए गए अंतर-जिला एक्सपोजर दौरों की संख्या
		राज्य के अधिकारियों द्वारा किए गए अंतर-राज्य एक्सपोजर दौरों की संख्या
	बाल सभा	सृजित बाल सभाओं की संख्या
		की गई बाल सभा की बैठकों की संख्या

श्रेणी	क्षेत्र	सूचक
क्षमता निर्माण	महिला समूहों को प्रशिक्षित किया गया	एसएचजी/महिला मंडलों के लिए आयोजित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रशिक्षणों की कुल संख्या
		बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत प्रशिक्षित एसएचजी /महिला मंडलों की कुल संख्या
	युवा समूहों को प्रशिक्षित किया गया	एनवाईकेएस और युवा स्वयंसेवकों के लिए आयोजित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रशिक्षणों की कुल संख्या
		बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत प्रशिक्षित एनवाईकेएस और युवा स्वयंसेवकों की कुल संख्या
	अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया	फ्रंटलाइन वर्कर्स – एडब्ल्यूडब्ल्यूएस/आशा के लिए आयोजित की गई बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रशिक्षणों की संख्या
		बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत प्रशिक्षित फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं की कुल संख्या
	प्रशिक्षित स्वास्थ्य अधिकारी	स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए आयोजित पीसी और पीएनडीटी प्रशिक्षणों की संख्या
		प्रशिक्षित स्वास्थ्य अधिकारियों की संख्या
	सामाजिक प्रभावितों को प्रशिक्षित किया गया	बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत प्रशिक्षित/संवेदनशील धार्मिक और आस्था के नेताओं की कुल संख्या
		बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत प्रशिक्षित निर्वाचित प्रतिनिधियों की कुल संख्या
	आयोजन समारोह	बड़ी संख्या में बालिका दिवस मनाया गया
		बड़ी संख्या में बेटी जन्मोत्सव मनाया गया
	सामाजिक लामबंदी	बड़ी संख्या में नारी चौपालों का आयोजन
		गठित महिला सभाओं की संख्या
		विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया
		वृक्षारोपण अभियान की संख्या

अनुलग्नक-IV. सर्वोत्तम अभ्यास टेम्पलेट

दस्तावेज़ की संरचना

परिचय

- राज्य में योजना कार्यान्वयन और इतिहास
- राज्य का समग्र बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ दृष्टिकोण
- राज्य में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की मुख्य विशेषताएं
- किसी भी राज्य-स्तरीय गतिविधि पर प्रकाश डाला जाए
- राज्य में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का प्रभाव
  - एसआरबी
  - संस्थागत प्रसव का प्रतिशत
  - पहली तिमाही एएनसी पंजीकरण
  - लड़कियों का कौशल
- आगे का रास्ता

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सर्वोत्तम अभ्यास

- नवाचारों और पहलों की सूची
  - राज्य या जिला स्तर पर
  - प्रत्येक सर्वोत्तम अभ्यास के लिए अलग पेज

सर्वोत्तम अभ्यास के लिए प्रारूप

- अभिनव कार्यक्रम का शीर्षक
- भौगोलिक आवरण/जिला (जिले)
- समयरेखा
  - कार्यक्रम की तिथि या समय अवधि
- कार्यक्रम का विवरण
  - क्या किया गया?
  - समस्या कथन जिसका समाधान किया गया था
  - यह अद्वितीय कैसे था?
  - किसने किया?
  - कितने भाग लिया?
  - परिणाम और प्रभाव क्या था?
  - कोई अन्य उल्लेखनीय बिंदु
- घटना की तस्वीरें
  - कार्यक्रम के 4–5 स्पष्ट और अच्छी गुणवत्ता वाले चित्र
  - पिक्सेलेटेड नहीं
- संपर्क का स्थल
  - कार्रवाई के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए जिस व्यक्ति से संपर्क किया जाना है
- मीडिया कवरेज के लिंक (यदि कोई हो)
  - प्रिंट (समाचार अंश की स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाली और सुपाठ्य तस्वीर)
  - ई-समाचार (वेब लिंक और समाचार का स्क्रीनशॉट)
  - अन्य (सोशल मीडिया कवरेज या प्रमुख द्वारा ट्वीट)
- प्रत्यक्ष उद्धरण (यदि कोई हो)
  - प्रतिभागियों, हितधारकों, या लाभार्थियों से

अनुलग्नक-V जिलों की सूची उनके आवंटन के साथ

40 लाख रुपये प्रतिवर्ष की दर से आवंटन के साथ 918 से कम या इसके बराबर एसआरबी वाले जिलों की सूची

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
1.	अरुणाचल प्रदेश	दिबांगघाटी	700
2.	अरुणाचल प्रदेश	सियांग	721
3.	अरुणाचल प्रदेश	तवांग	769
4.	अरुणाचल प्रदेश	लेपराडा	824
5.	अरुणाचल प्रदेश	निचली दिबांगघाटी	838
6.	अरुणाचल प्रदेश	पश्चिम कामेंग	859
7.	अरुणाचल प्रदेश	निचला सियांग	864
8.	अरुणाचल प्रदेश	कुरुंगकुमे	878
9.	अरुणाचल प्रदेश	अपर सुबनसिरी	886
10.	अरुणाचल प्रदेश	लोहित	889
11.	अरुणाचल प्रदेश	नमसाई	891
12.	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वी सियांग	903
13.	असम	माजुली	873
14.	असम	कामरूप मेट्रो	897
15.	असम	नलबाड़ी	898
16.	बिहार	सारण	856
17.	बिहार	वैशाली	857
18.	बिहार	मधुबनी	857
19.	बिहार	भोजपुर	859
20.	बिहार	अरवल	884
21.	बिहार	रोहतास	886
22.	बिहार	मुजफ्फरपुर	890
23.	बिहार	दरभंगा	892
24.	बिहार	सीतामढ़ी	893
25.	बिहार	गया	893
26.	बिहार	जमुई	900
27.	बिहार	लखीसराय	900
28.	बिहार	पटना	902
29.	बिहार	नवादा	902
30.	बिहार	बक्सर	905
31.	बिहार	समस्तीपुर	905

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
32.	बिहार	नालंदा	906
33.	बिहार	शेखपुरा	913
34.	बिहार	औरंगाबाद	913
35.	बिहार	सिवान	917
36.	दिल्ली	पूर्व	897
37.	दिल्ली	दक्षिण पश्चिम	901
38.	गुजरात	साबरकांथा	868
39.	गुजरात	अमरेली	877
40.	गुजरात	अहमदाबाद	880
41.	गुजरात	बोटाड	889
42.	गुजरात	महेसाणा	893
43.	गुजरात	आनंद	897
44.	गुजरात	राजकोट	900
45.	गुजरात	भावनगर	907
46.	गुजरात	सूरत	907
47.	गुजरात	जूनागढ़	916
48.	गुजरात	गीरसोमनाथ	916
49.	हरियाणा	झज्जर	881
50.	हरियाणा	फरीदाबाद	896
51.	हरियाणा	रोहतक	901
52.	हरियाणा	कैथल	908
53.	हरियाणा	अंबाला	908
54.	हरियाणा	करनाल	908
55.	हरियाणा	सोनीपत	912
56.	हरियाणा	जींद	912
57.	हरियाणा	चरखीदादरी	914
58.	हिमाचल प्रदेश	हमीरपुर	916
59.	जम्मू और कश्मीर	शोपियां	847
60.	जम्मू और कश्मीर	सांबा	874
61.	जम्मू और कश्मीर	उधमपुर	875
62.	जम्मू और कश्मीर	बांदीपुरा	892
63.	जम्मू और कश्मीर	गांदरबल	894
64.	जम्मू और कश्मीर	रियासी	905
65.	जम्मू और कश्मीर	जम्मू	907
66.	जम्मू और कश्मीर	डोडा	908

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
67.	जम्मू और कश्मीर	राजौरी	912
68.	झारखंड	कोडरमा	851
69.	झारखंड	देवघर	879
70.	झारखंड	हजारीबाग	892
71.	झारखंड	गिरिडीह	894
72.	झारखंड	रामगढ़	900
73.	झारखंड	धनबाद	917
74.	कर्नाटक	मंड्या	884
75.	कर्नाटक	कोलार	907
76.	कर्नाटक	रामनगर	912
77.	कर्नाटक	चिक्कबल्लपुर	918
78.	मध्यप्रदेश	दतिया	877
79.	मध्यप्रदेश	हरदा	878
80.	मध्यप्रदेश	मुरैना	886
81.	मध्यप्रदेश	ग्वालियर	898
82.	मध्यप्रदेश	आगरमालवा	898
83.	मध्यप्रदेश	श्योपुर	910
84.	मध्यप्रदेश	अशोकनगर	914
85.	महाराष्ट्र	सांगली	881
86.	महाराष्ट्र	हिंगोली	904
87.	महाराष्ट्र	बुलढाना	908
88.	महाराष्ट्र	कोल्हापुर	908
89.	महाराष्ट्र	जलगांव	909
90.	महाराष्ट्र	अहमदनगर	914
91.	महाराष्ट्र	उस्मानाबाद	915
92.	मणिपुर	नोनी	844
93.	मणिपुर	टेंग्नौपाल	878
94.	मणिपुर	चंदेल	900
95.	मेघालय	दक्षिण गारो हिल्स	897
96.	मेघालय	ईस्ट गारो हिल्स	900
97.	मेघालय	रीभोई	903
98.	मेघालय	दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स	918
99.	मिजोरम	हन्नाथियाल	859
100.	नागालैंड	किफायर	798
101.	नागालैंड	पेरेन	828

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
102.	नागालैंड	तुएनसांग	828
103.	नागालैंड	वोखा	842
104.	नागालैंड	कोहिमा	849
105.	नागालैंड	मोकोकचुंग	877
106.	नागालैंड	मोन	909
107.	ओडिशा	नयागढ़	826
108.	ओडिशा	कटक	879
109.	ओडिशा	सोनेपुर	898
110.	ओडिशा	गंजम	913
111.	ओडिशा	अनुगुल	916
112.	ओडिशा	मल्कानगिरी	918
113.	पुदुचेरी	कराईकल	898
114.	पंजाब	फाजिल्का	895
115.	पंजाब	तरन तारन	904
116.	पंजाब	संगरूर	905
117.	पंजाब	शहीद भगत सिंह नगर	908
118.	पंजाब	जालंधर	910
119.	पंजाब	फतेहगढ़ साहिब	912
120.	पंजाब	भटिंडा	913
121.	पंजाब	फिरोजपुर	914
122.	पंजाब	पठानकोट	916
123.	राजस्थान	सिरोही	914
124.	राजस्थान	सवाई माधोपुर	915
125.	सिक्किम	उत्तरी जिला	844
126.	तमिलनाडु	रानीपेट	901
127.	तमिलनाडु	सलेम	902
128.	तमिलनाडु	तिरुवन्नामलाई	916
129.	तमिलनाडु	कल्लाकुरीची	917
130.	तमिलनाडु	शिवगंगा	917
131.	तमिलनाडु	करूर	918
132.	तेलंगाना	सूर्यपेट	808
133.	तेलंगाना	जांगौन	876
134.	तेलंगाना	मेडचल मलकजगिरी	885
135.	तेलंगाना	कामारेड्डी	887
136.	तेलंगाना	जयशंकर भूपालपल्ली	892

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
137.	तेलंगाना	नगरकुरनूल	892
138.	तेलंगाना	संगारेड्डी	893
139.	तेलंगाना	कुमुराम भीम आसिफाबाद	899
140.	तेलंगाना	राजन्ना सिरसिला	911
141.	तेलंगाना	यदाद्रि भुवनगिरी	914
142.	तेलंगाना	मेनचेरियल	914
143.	तेलंगाना	वारंगल शहरी	917
144.	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	दीव	820
145.	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	दमन	881
146.	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	दादरा और नगर हवेली	890
147.	त्रिपुरा	पश्चिम त्रिपुरा	906
148.	उत्तर प्रदेश	हमीरपुर	871
149.	उत्तर प्रदेश	भदोही	875
150.	उत्तर प्रदेश	अलीगढ़	890
151.	उत्तर प्रदेश	गाजीपुर	896
152.	उत्तर प्रदेश	मथुरा	899
153.	उत्तरप्रदेश	फर्रुखाबाद	900
154.	उत्तर प्रदेश	गौतमबुद्ध नगर	901
155.	उत्तर प्रदेश	फिरोजाबाद	903
156.	उत्तर प्रदेश	गोरखपुर	904
157.	उत्तर प्रदेश	सीतापुर	904
158.	उत्तर प्रदेश	अमरोहा	908
159.	उत्तर प्रदेश	प्रयागराज	908
160.	उत्तर प्रदेश	हरदोई	911
161.	उत्तर प्रदेश	हापुड़	915
162.	उत्तर प्रदेश	फतेहपुर	918
163.	उत्तर प्रदेश	मैनपुरी	918
164.	उत्तराखंड	रुद्र प्रयाग	871
165.	उत्तराखंड	पौड़ीगढ़वाल	885
166.	उत्तराखंड	चम्पावत	888
167.	उत्तराखंड	बागेश्वर	904
168.	उत्तराखंड	नैनीताल	918
169.	पश्चिम बंगाल	अलीपुरद्वार	918

30 लाख रुपये प्रतिवर्ष की दर से आवंटन के साथ 918 से अधिक और 952 से कम या इसके बराबर एसआरबी वाले जिलों की सूची

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	निकोबार	942
2.	आंध्र प्रदेश	कुरनूल	922
3.	आंध्र प्रदेश	श्रीकाकुलम	925
4.	आंध्र प्रदेश	एसपीएसआर नेल्लोर	931
5.	आंध्र प्रदेश	विजयनगरम	933
6.	आंध्र प्रदेश	वाई.एस.आर.	939
7.	आंध्र प्रदेश	अनंतपुर	942
8.	आंध्र प्रदेश	चित्तूर	948
9.	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम	949
10.	अरुणाचल प्रदेश	तिरप	923
11.	अरुणाचल प्रदेश	पापुमपारे	923
12.	अरुणाचल प्रदेश	अपरसियांग	930
13.	असम	दक्षिण सलमारा मनकचर	922
14.	असम	डिब्रूगढ़	923
15.	असम	कोकराझार	929
16.	असम	कार्बी आंगलोंग	931
17.	असम	बारपेटा	932
18.	असम	धुबड़ी	933
19.	असम	शिवसागर	937
20.	असम	दीमा हसाओ	939
21.	असम	कामरूप	939
22.	असम	गोलपाड़ा	940
23.	असम	तिनसुकिया	940
24.	असम	बक्सा	942
25.	असम	उदलगुड़ी	944
26.	असम	मारीगांव	945
27.	असम	सोनितपुर	947
28.	असम	लखीमपुर	948
29.	असम	करीमगंज	949
30.	असम	गोलाघाट	950

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
31.	असम	बिश्वनाथ	951
32.	बिहार	किशनगंज	920
33.	बिहार	शिवहर	922
34.	बिहार	बाँका	923
35.	बिहार	पश्चिम चम्पारण	923
36.	बिहार	जहानाबाद	924
37.	बिहार	बेगूसराय	927
38.	बिहार	गोपालगंज	932
39.	बिहार	भागलपुर	932
40.	बिहार	खगरिया	932
41.	बिहार	मुंगेर	942
42.	बिहार	अररिया	943
43.	बिहार	कैमूर (भभुआ)	944
44.	बिहार	पूर्वीचंपारण	948
45.	चंडीगढ़	चंडीगढ़	941
46.	छत्तीसगढ	नारायणपुर	920
47.	छत्तीसगढ	सरगुजा	927
48.	छत्तीसगढ	बेमेतारा	933
49.	छत्तीसगढ	रायगढ़	934
50.	छत्तीसगढ	जशपुर	935
51.	छत्तीसगढ	सूरजपुर	940
52.	छत्तीसगढ	बलौदा बाजार	943
53.	छत्तीसगढ	काँकेर	944
54.	छत्तीसगढ	दुर्ग	946
55.	छत्तीसगढ	कोरबा	950
56.	दिल्ली	उत्तर पूर्व	921
57.	दिल्ली	उत्तर पश्चिम	921
58.	दिल्ली	शाहदरा	921
59.	दिल्ली	दक्षिण	925
60.	दिल्ली	केंद्रीय	935
61.	दिल्ली	दक्षिण पूर्व	939
62.	दिल्ली	पश्चिम	939

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
63.	दिल्ली	नईदिल्ली	944
64.	गोवा	दक्षिण गोवा	946
65.	गोवा	उत्तर गोवा	952
66.	गुजरात	महिसागर	919
67.	गुजरात	पंचमहल	921
68.	गुजरात	गांधीनगर	921
69.	गुजरात	भरूच	922
70.	गुजरात	डैंग	924
71.	गुजरात	वडोदरा	925
72.	गुजरात	वलसाड	927
73.	गुजरात	पाटन	930
74.	गुजरात	नर्मदा	931
75.	गुजरात	नवसारी	934
76.	गुजरात	छोटा उदेपुर	935
77.	गुजरात	सुरेंद्रनगर	938
78.	गुजरात	पोरबंदर	938
79.	गुजरात	दोहड़	940
80.	गुजरात	अरावली	943
81.	गुजरात	देवभूमि द्वारका	943
82.	गुजरात	तापी	945
83.	गुजरात	बनासकांथा	952
84.	हरियाणा	हिसार	920
85.	हरियाणा	रेवाड़ी	921
86.	हरियाणा	यमुनानगर	923
87.	हरियाणा	भिवानी	924
88.	हरियाणा	कुरुक्षेत्र	925
89.	हरियाणा	महेंद्रगढ़	927
90.	हरियाणा	सिरसा	930
91.	हरियाणा	पानीपत	946
92.	हरियाणा	पंचकुला	948
93.	हरियाणा	गुरुग्राम	951
94.	हिमाचल प्रदेश	कांगड़ा	919

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
95.	हिमाचल प्रदेश	चंबा	924
96.	हिमाचल प्रदेश	सिरमौर	934
97.	हिमाचल प्रदेश	मंडी	939
98.	हिमाचल प्रदेश	किन्नौर	945
99.	जम्मू और कश्मीर	कठुआ	922
100.	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर	933
101.	जम्मू और कश्मीर	रामबन	936
102.	झारखंड	चतरा	925
103.	झारखंड	पलामू	927
104.	झारखंड	बोकारो	932
105.	झारखंड	रांची	937
106.	झारखंड	गढ़वा	940
107.	झारखंड	लातेहार	941
108.	झारखंड	गोड्डा	942
109.	झारखंड	गुमला	947
110.	कर्नाटक	चामराजनगर	928
111.	कर्नाटक	बीदर	937
112.	कर्नाटक	कोप्पल	939
113.	कर्नाटक	बेलगावी	939
114.	कर्नाटक	यादगीर	940
115.	कर्नाटक	मैसूरु	943
116.	कर्नाटक	चिक्कामगलुरु	943
117.	कर्नाटक	बेंगलुरु ग्रामीण	946
118.	कर्नाटक	उडुपी	947
119.	कर्नाटक	हावेरी	947
120.	कर्नाटक	विजयपुरा	948
121.	कर्नाटक	चित्रदुर्ग	948
122.	कर्नाटक	शिवमोगा	949
123.	कर्नाटक	बल्लारी	950
124.	कर्नाटक	उत्तर कन्नड़	951
125.	कर्नाटक	बेंगलुरु शहरी	952
126.	केरल	अलपुझा	932

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
127.	केरल	कासरगोड	933
128.	केरल	कन्नूर	947
129.	केरल	कोझिकोड	947
130.	केरल	पथानामथिट्टा	952
131.	लक्षद्वीप	लक्षद्वीप जिला	948
132.	मध्यप्रदेश	भिंड	919
133.	मध्यप्रदेश	होशंगाबाद	922
134.	मध्यप्रदेश	उमरिया	922
135.	मध्यप्रदेश	छतरपुर	923
136.	मध्यप्रदेश	सीधी	923
137.	मध्यप्रदेश	टीकमगढ़	924
138.	मध्यप्रदेश	बुरहानपुर	925
139.	मध्यप्रदेश	नरसिंहपुर	925
140.	मध्यप्रदेश	सतना	926
141.	मध्यप्रदेश	पन्ना	930
142.	मध्यप्रदेश	बड़वानी	932
143.	मध्यप्रदेश	गुना	932
144.	मध्यप्रदेश	जबलपुर	934
145.	मध्यप्रदेश	मन्दसौर	937
146.	मध्यप्रदेश	कटनी	937
147.	मध्यप्रदेश	नीमच	938
148.	मध्यप्रदेश	रीवा	938
149.	मध्यप्रदेश	खरगोन	939
150.	मध्यप्रदेश	शाजापुर	939
151.	मध्यप्रदेश	मंडला	939
152.	मध्यप्रदेश	खंडवा	939
153.	मध्यप्रदेश	भोपाल	940
154.	मध्यप्रदेश	शाहडोल	941
155.	मध्यप्रदेश	शिवपुरी	944
156.	मध्यप्रदेश	विदिशा	945
157.	मध्यप्रदेश	अलीराजपुर	950

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
158.	मध्यप्रदेश	सागर	950
159.	मध्यप्रदेश	रतलाम	950
160.	मध्यप्रदेश	धार	950
161.	मध्यप्रदेश	सिंगरौली	951
162.	मध्यप्रदेश	सिवनी	952
163.	मध्यप्रदेश	झाबुआ	952
164.	मध्यप्रदेश	रायसेन	952
165.	महाराष्ट्र	सिंधुदुर्ग	921
166.	महाराष्ट्र	वर्धा	922
167.	महाराष्ट्र	लातूर	924
168.	महाराष्ट्र	नासिक	927
169.	महाराष्ट्र	चंद्रपुर	927
170.	महाराष्ट्र	भंडारा	927
171.	महाराष्ट्र	बीड	928
172.	महाराष्ट्र	पुणे	928
173.	महाराष्ट्र	जलना	928
174.	महाराष्ट्र	अकोला	931
175.	महाराष्ट्र	गडचिरोली	933
176.	महाराष्ट्र	सोलापुर	939
177.	महाराष्ट्र	मुंबई	939
178.	महाराष्ट्र	धुले	939
179.	महाराष्ट्र	सतारा	942
180.	महाराष्ट्र	वाशिम	945
181.	महाराष्ट्र	पालघर	947
182.	महाराष्ट्र	परभनी	948
183.	महाराष्ट्र	गोंदिया	951
184.	महाराष्ट्र	नंदुरबार	952
185.	मणिपुर	इंफालपूर्व	932
186.	मणिपुर	काकिंग	933
187.	मणिपुर	इंफाल पश्चिम	936
188.	मणिपुर	फेरज़ावल	941

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
189.	मणिपुर	तामेंगलांग	946
190.	मेघालय	उत्तरी गारो हिल्स	931
191.	मेघालय	पूर्वी गारो हिल्स	937
192.	मिजोरम	ख्वाजावल	924
193.	मिजोरम	लौंगत्लाई	936
194.	मिजोरम	आइजोल	940
195.	मिजोरम	लुंगलेई	945
196.	नागालैंड	दीमापुर	920
197.	नागालैंड	जुन्हेबोटो	951
198.	ओडिशा	खोरधा	919
199.	ओडिशा	ढेंकनाल	926
200.	ओडिशा	भद्रक	927
201.	ओडिशा	बारगढ़	931
202.	ओडिशा	जाजापुर	931
203.	ओडिशा	संबलपुर	931
204.	ओडिशा	जगतसिंहपुर	933
205.	ओडिशा	बलांगीर	934
206.	ओडिशा	केंद्रपाड़ा	934
207.	ओडिशा	केंदुझार	940
208.	ओडिशा	कंधमाल	945
209.	ओडिशा	बौध	950
210.	ओडिशा	कालाहांडी	950
211.	ओडिशा	कोरापुट	951
212.	पुदुचेरी	माहे	941
213.	पंजाब	गुरदासपुर	921
214.	पंजाब	फरीदकोट	926
215.	पंजाब	कपूरथला	928
216.	पंजाब	पटियाला	929
217.	पंजाब	होशियारपुर	929
218.	पंजाब	एसएएसनगर	931
219.	पंजाब	मनसा	932
220.	पंजाब	श्री मुक्तसर साहिब	933

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
221.	पंजाब	लुधियाना	934
222.	पंजाब	अमृतसर	950
223.	राजस्थान	दौसा	922
224.	राजस्थान	टोंक	922
225.	राजस्थान	कोटा	923
226.	राजस्थान	झालावाड़	924
227.	राजस्थान	जयपुर	926
228.	राजस्थान	चित्तौड़गढ़	927
229.	राजस्थान	गंगानगर	928
230.	राजस्थान	पाली	933
231.	राजस्थान	अलवर	933
232.	राजस्थान	डूंगरपुर	936
233.	राजस्थान	धौलपुर	937
234.	राजस्थान	भीलवाड़ा	937
235.	राजस्थान	करौली	937
236.	राजस्थान	बूंदी	938
237.	राजस्थान	राजसमंद	943
238.	राजस्थान	भरतपुर	943
239.	राजस्थान	सीकर	946
240.	राजस्थान	बरन	949
241.	राजस्थान	प्रतापगढ़	951
242.	राजस्थान	अजमेर	952
243.	सिक्किम	पूर्वी जिला	920
244.	सिक्किम	दक्षिण जिला	945
245.	तमिलनाडु	पेरम्बलुर	920
246.	तमिलनाडु	रामनाथपुरम	927
247.	तमिलनाडु	डिंडीगुल	927
248.	तमिलनाडु	नमक्कल	929
249.	तमिलनाडु	पुदुक्कोट्टई	930
250.	तमिलनाडु	धर्मपुरी	932
251.	तमिलनाडु	तिरुचिरापल्ली	933
252.	तमिलनाडु	कन्याकुमारी	934

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
253.	तमिलनाडु	अरियालुर	937
254.	तमिलनाडु	कांचीपुरम	939
255.	तमिलनाडु	थूथुकुड़ी	940
256.	तमिलनाडु	नीलगिरी	943
257.	तमिलनाडु	तिरुपथुर	946
258.	तमिलनाडु	कृष्णागिरी	948
259.	तमिलनाडु	तिरुपूर	950
260.	तमिलनाडु	तंजावुर	950
261.	तमिलनाडु	मदुरै	951
262.	तमिलनाडु	तिरुनेलवेली	952
263.	तेलंगाना	वानापार्थी	925
264.	तेलंगाना	खम्मम	928
265.	तेलंगाना	वारंगल ग्रामीण	932
266.	तेलंगाना	महबूबनगर	935
267.	तेलंगाना	करीमनगर	938
268.	तेलंगाना	नारायणपेट	941
269.	तेलंगाना	हैदराबाद	945
270.	तेलंगाना	महबुबाबाद	945
271.	तेलंगाना	नलगोंडा	946
272.	तेलंगाना	विकाराबाद	950
273.	तेलंगाना	सिद्दीपेट	950
274.	तेलंगाना	पेद्दापल्ली	951
275.	तेलंगाना	भद्राद्री कोठागुडेम	951
276.	तेलंगाना	रंगारेड्डी	951
277.	त्रिपुरा	खोवाई	934
278.	त्रिपुरा	उत्तर त्रिपुरा	939
279.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	920
280.	उत्तर प्रदेश	खेरी	921
281.	उत्तर प्रदेश	बागपत	921
282.	उत्तर प्रदेश	कानपुर देहात	923
283.	उत्तर प्रदेश	वाराणसी	924
284.	उत्तर प्रदेश	आगरा	925

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
285.	उत्तर प्रदेश	कन्नौज	925
286.	उत्तर प्रदेश	बिजनौर	925
287.	उत्तर प्रदेश	बलिया	926
288.	उत्तर प्रदेश	मुजफ्फरनगर	926
289.	उत्तर प्रदेश	अम्बेडकरनगर	926
290.	उत्तर प्रदेश	चंदौली	926
291.	उत्तर प्रदेश	अमेठी	926
292.	उत्तर प्रदेश	बाराबंकी	927
293.	उत्तर प्रदेश	जालौन	927
294.	उत्तर प्रदेश	चित्रकूट	927
295.	उत्तर प्रदेश	औरैया	928
296.	उत्तर प्रदेश	मऊ	929
297.	उत्तर प्रदेश	कौशाम्बी	930
298.	उत्तर प्रदेश	पीलीभीत	930
299.	उत्तर प्रदेश	महाराजगंज	932
300.	उत्तर प्रदेश	प्रतापगढ़	932
301.	उत्तर प्रदेश	शाहजहांपुर	933
302.	उत्तर प्रदेश	गोंडा	933
303.	उत्तर प्रदेश	हाथरस	933
304.	उत्तर प्रदेश	शामली	934
305.	उत्तर प्रदेश	कासगंज	934
306.	उत्तर प्रदेश	उन्नाव	934
307.	उत्तर प्रदेश	संभल	937
308.	उत्तर प्रदेश	एटा	937
309.	उत्तर प्रदेश	देवरिया	938
310.	उत्तर प्रदेश	सिद्धार्थनगर	939
311.	उत्तर प्रदेश	बाँदा	940
312.	उत्तर प्रदेश	बलरामपुर	941
313.	उत्तर प्रदेश	श्रावस्ती	942
314.	उत्तर प्रदेश	ललितपुर	943
315.	उत्तर प्रदेश	मिर्जापुर	943
316.	उत्तर प्रदेश	सहारनपुर	943

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	जिलों	एचएमआईएस के अनुसार जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) 2020-21
317.	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद	944
318.	उत्तर प्रदेश	रायबरेली	945
319.	उत्तर प्रदेश	बरेली	945
320.	उत्तर प्रदेश	आजमगढ़	945
321.	उत्तर प्रदेश	बस्ती	947
322.	उत्तर प्रदेश	कुशीनगर	948
323.	उत्तर प्रदेश	सोनभद्र	948
324.	उत्तर प्रदेश	इटावा	949
325.	उत्तर प्रदेश	सुल्तानपुर	952
326.	उत्तराखंड	चमोली	922
327.	उत्तराखंड	टिहरीगढ़वाल	945
328.	उत्तराखंड	अल्मोड़ा	946
329.	उत्तराखंड	हरिद्वार	947
330.	उत्तराखंड	उत्तर काशी	947
331.	उत्तराखंड	उधमसिंहनगर	948
332.	उत्तराखंड	पिथोरागढ़	948
333.	पश्चिम बंगाल	पुरुलिया	921
334.	पश्चिम बंगाल	झारग्राम	926
335.	पश्चिम बंगाल	पूर्व मेदिनीपुर	934
336.	पश्चिम बंगाल	कलिम्पोंग	935
337.	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बर्धमान	935
338.	पश्चिम बंगाल	पूर्व बर्धमान	937
339.	पश्चिम बंगाल	मुर्शिदाबाद	946
340.	पश्चिम बंगाल	कोलकाता	948
341.	पश्चिम बंगाल	24 परगना उत्तर	949
342.	पश्चिम बंगाल	मालदा	949
343.	पश्चिम बंगाल	दिनाजपुर उत्तर	949
344.	पश्चिम बंगाल	जलपाईगुड़ी	950
345.	पश्चिम बंगाल	कूचबिहार	951
346.	पश्चिम बंगाल	बीरभूम	951
347.	पश्चिम बंगाल	दार्जिलिंग	952

प्रति वर्ष 20 लाख रूपये आवंटन सहित 952 एसआरबी वाले जिलों की सूची

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	जिले	एचएमआईएस के अनुसार वर्ष 2020-21 में जन्म के समय लिंग अनुपात
1.	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	दक्षिण अंडमान	958
2.	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	उत्तर और मध्य अंडमान	985
3.	आंध्र प्रदेश	प्रकाशम	963
4.	आंध्र प्रदेश	कृष्णा	970
5.	आंध्र प्रदेश	पूर्वी गोदावरी	973
6.	आंध्र प्रदेश	पश्चिम गोदावरी	979
7.	आंध्र प्रदेश	गुंटूर	988
8.	अरुणाचल प्रदेश	क्रादादी	959
9.	अरुणाचल प्रदेश	शियोमी	964
10.	अरुणाचल प्रदेश	चांगलांग	975
11.	अरुणाचल प्रदेश	पश्चिम सियांग	989
12.	अरुणाचल प्रदेश	लोंगडिंग	996
13.	अरुणाचल प्रदेश	कमल	1000
14.	अरुणाचल प्रदेश	पक्केकेसांग	1000
15.	अरुणाचल प्रदेश	निचला सुबनसिरी	1044
16.	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वीकामेंग	1378
17.	अरुणाचल प्रदेश	अंजॉ	1512
18.	असम	धेमाजी	953
19.	असम	दरांग	955
20.	असम	जोरहाट	956
21.	असम	होजई	958
22.	असम	नगांव	960
23.	असम	चिरांग	968
24.	असम	कछार	970
25.	असम	बोंगईगांव	973
26.	असम	पश्चिम कार्बी आंगलोंग	976
27.	असम	हैलाकांडी	984
28.	असम	चराइदेव	992
29.	बिहार	सहरसा	955
30.	बिहार	सुपौल	962

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	जिले	एचएमआईएस के अनुसार वर्ष 2020-21 में जन्म के समय लिंग अनुपात
31.	बिहार	कटिहार	962
32.	बिहार	मधेपुरा	966
33.	बिहार	पूर्णिया	967
34.	छत्तीसगढ	महासमुंद	954
35.	छत्तीसगढ	जांजगीर-चंपा	956
36.	छत्तीसगढ	बालोद	956
37.	छत्तीसगढ	बिलासपुर	960
38.	छत्तीसगढ	गरियाबंद	961
39.	छत्तीसगढ	कोरिया	966
40.	छत्तीसगढ	धमतरी	968
41.	छत्तीसगढ	गौरेला पेंड्रा मरवाही	974
42.	छत्तीसगढ	बलरामपुर	975
43.	छत्तीसगढ	मुंगेली	978
44.	छत्तीसगढ	रायपुर	980
45.	छत्तीसगढ	बस्तर	983
46.	छत्तीसगढ	कबीरधाम	984
47.	छत्तीसगढ	बीजापुर	985
48.	छत्तीसगढ	कोंडागांव	985
49.	छत्तीसगढ	राजनंदगांव	990
50.	छत्तीसगढ	सुकमा	994
51.	छत्तीसगढ	दंतेवाड़ा	1038
52.	दिल्ली	उत्तर	967
53.	गुजरात	कच्छ	957
54.	गुजरात	खेड़ा	957
55.	गुजरात	जामनगर	960
56.	गुजरात	मोरबी	978
57.	हरियाणा	पलवल	961
58.	हरियाणा	फतेहाबाद	964
59.	हरियाणा	नूह	964
60.	हिमाचल प्रदेश	बिलासपुर	957
61.	हिमाचल प्रदेश	कुल्लू	964
62.	हिमाचल प्रदेश	सोलन	964

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	जिले	एचएमआईएस के अनुसार वर्ष 2020-21 में जन्म के समय लिंग अनुपात
63.	हिमाचल प्रदेश	शिमला	971
64.	हिमाचल प्रदेश	ऊना	978
65.	हिमाचल प्रदेश	लाहुल और स्पीति	1294
66.	जम्मू और कश्मीर	कुपवाड़ा	956
67.	जम्मू और कश्मीर	पूंछ	958
68.	जम्मू और कश्मीर	किश्तवाड़	965
69.	जम्मू और कश्मीर	अनंतनाग	967
70.	जम्मू और कश्मीर	पुलवामा	970
71.	जम्मू और कश्मीर	बारामूला	973
72.	जम्मू और कश्मीर	कुलगाम	985
73.	जम्मू और कश्मीर	बडगाम	1031
74.	झारखंड	दुमका	954
75.	झारखंड	सिमडेगा	956
76.	झारखंड	साहेबगंज	959
77.	झारखंड	जामताड़ा	968
78.	झारखंड	पाकुर	969
79.	झारखंड	सरायकेला खरसावां	972
80.	झारखंड	पश्चिमी सिंहभूम	973
81.	झारखंड	खूंटी	989
82.	झारखंड	पूर्वी सिंहभूम	990
83.	झारखंड	लोहरदगा	992
84.	कर्नाटक	हसन	955
85.	कर्नाटक	तुमकुरु	956
86.	कर्नाटक	बागलकोट	958
87.	कर्नाटक	कालाबुरागी	961
88.	कर्नाटक	धारवाड़	961
89.	कर्नाटक	दावणगेरे	961
90.	कर्नाटक	कोडागू	962
91.	कर्नाटक	रायचुर	976
92.	कर्नाटक	गदग	988
93.	कर्नाटक	दक्षिण कन्नड़	997
94.	केरल	त्रिशूर	955

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	जिले	एचएमआईएस के अनुसार वर्ष 2020-21 में जन्म के समय लिंग अनुपात
95.	केरल	तिरुवनंतपुरम	957
96.	केरल	इडुक्की	960
97.	केरल	कोल्लम	962
98.	केरल	पलक्कड़	964
99.	केरल	कोट्टायम	964
100.	केरल	एर्नाकुलम	967
101.	केरल	मलप्पुरम	971
102.	केरल	वायनाड	985
103.	लद्दाख	लेहलद्दाख	959
104.	लद्दाख	कारगिल	984
105.	मध्यप्रदेश	उज्जैन	954
106.	मध्यप्रदेश	दमोह	954
107.	मध्यप्रदेश	छिंदवाड़ा	959
108.	मध्यप्रदेश	निवाड़ी	961
109.	मध्यप्रदेश	सीहोर	962
110.	मध्यप्रदेश	बेतुल	966
111.	मध्यप्रदेश	देवास	967
112.	मध्यप्रदेश	राजगढ़	971
113.	मध्यप्रदेश	इंदौर	973
114.	मध्यप्रदेश	डिंडोरी	974
115.	मध्यप्रदेश	बालाघाट	979
116.	मध्यप्रदेश	अनूपपुर	984
117.	महाराष्ट्र	औरंगाबाद	954
118.	महाराष्ट्र	मुंबई उपनगर	954
119.	महाराष्ट्र	रत्नागिरि	957
120.	महाराष्ट्र	ठाणे	964
121.	महाराष्ट्र	अमरावती	971
122.	महाराष्ट्र	यवतमाल	976
123.	महाराष्ट्र	रायगढ़	977
124.	महाराष्ट्र	नागपुर	983
125.	महाराष्ट्र	नांदेड़	1000
126.	मणिपुर	थौबल	960

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	जिले	एचएमआईएस के अनुसार वर्ष 2020-21 में जन्म के समय लिंग अनुपात
127.	मणिपुर	छुरछंदपुर	967
128.	मणिपुर	कांगपोकपी	973
129.	मणिपुर	सेनापति	1002
130.	मणिपुर	उखरूल	1013
131.	मणिपुर	बिश्नुपुर	1068
132.	मणिपुर	कामजोंग	1075
133.	मणिपुर	जिरीबाम	1111
134.	मेघालय	पूर्वी खासी हिल्स	955
135.	मेघालय	पश्चिम जयंतिया हिल्स	955
136.	मेघालय	पश्चिम खासी हिल्स	958
137.	मेघालय	दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स	983
138.	मेघालय	ईस्ट जयंतिया हिल्स	988
139.	मिजोरम	सैतुअल	957
140.	मिजोरम	चम्फाई	981
141.	मिजोरम	सैहा	991
142.	मिजोरम	सेरछिप	1011
143.	मिजोरम	कोलासिब	1045
144.	मिजोरम	मामित	1054
145.	नागालैंड	फेक	972
146.	नागालैंड	लॉन्गलेंग	1141
147.	ओडिशा	बालेश्वर	953
148.	ओडिशा	नबरंगपुर	957
149.	ओडिशा	देवगढ़	958
150.	ओडिशा	पुरी	959
151.	ओडिशा	गजपति	962
152.	ओडिशा	मयूरभंज	970
153.	ओडिशा	रायगढ़	970
154.	ओडिशा	नुआपाड़ा	972
155.	ओडिशा	सुंदरगढ़	982
156.	ओडिशा	झारसुगुडा	998
157.	पुदुचेरी	यानम	989
158.	पुदुचेरी	पांडिचेरी	996

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	जिले	एचएमआईएस के अनुसार वर्ष 2020-21 में जन्म के समय लिंग अनुपात
159.	पंजाब	रूपनगर	954
160.	पंजाब	बरनाला	965
161.	पंजाब	मोगा	965
162.	राजस्थान	चुरू	953
163.	राजस्थान	नागौर	954
164.	राजस्थान	जोधपुर	962
165.	राजस्थान	बांसवाड़ा	965
166.	राजस्थान	जालौर	967
167.	राजस्थान	उदयपुर	967
168.	राजस्थान	बीकानेर	970
169.	राजस्थान	जैसलमेर	971
170.	राजस्थान	हनुमानगढ़	974
171.	राजस्थान	झुंझुनू	982
172.	राजस्थान	बाड़मेर	989
173.	सिक्किम	पश्चिम जिला	963
174.	तमिलनाडु	विल्लुपुरम	953
175.	तमिलनाडु	वेल्लोर	956
176.	तमिलनाडु	थिरुवरुर	956
177.	तमिलनाडु	तिरुवल्लुर	962
178.	तमिलनाडु	कुड्डालोर	962
179.	तमिलनाडु	चेंगलपट्	966
180.	तमिलनाडु	कोयंबटूर	974
181.	तमिलनाडु	इरोड	974
182.	तमिलनाडु	चेन्नई	976
183.	तमिलनाडु	विरुधुनगर	977
184.	तमिलनाडु	नागपट्टिनम	977
185.	तमिलनाडु	ठेनी	979
186.	तमिलनाडु	तेनकासी	989
187.	तेलंगाना	मेडक	956
188.	तेलंगाना	मुलुगु	957
189.	तेलंगाना	आदिलाबाद	958
190.	तेलंगाना	जोगुलम्बा गडवाल	969

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	जिले	एचएमआईएस के अनुसार वर्ष 2020-21 में जन्म के समय लिंग अनुपात
191.	तेलंगाना	जागितिअल	971
192.	तेलंगाना	निजामाबाद	984
193.	तेलंगाना	निर्मल	1008
194.	त्रिपुरा	धलाई	958
195.	त्रिपुरा	गोमती	962
196.	त्रिपुरा	उनाकोटी	968
197.	त्रिपुरा	दक्षिण त्रिपुरा	1000
198.	त्रिपुरा	सिपाहीजाला	1008
199.	उत्तर प्रदेश	अयोध्या	953
200.	उत्तर प्रदेश	मुरादाबाद	954
201.	उत्तर प्रदेश	महोबा	954
202.	उत्तर प्रदेश	शाहजहांपुर	958
203.	उत्तर प्रदेश	मेरठ	958
204.	उत्तर प्रदेश	बहराइच	958
205.	उत्तर प्रदेश	रामपुर	958
206.	उत्तर प्रदेश	बुलंदशहर	959
207.	उत्तर प्रदेश	झांसी	964
208.	उत्तर प्रदेश	कानपुर नगर	967
209.	उत्तर प्रदेश	जौनपुर	972
210.	उत्तर प्रदेश	संत कबीर नगर	978
211.	उत्तराखंड	देहरादून	968
212.	पश्चिम बंगाल	दिनाजपुर दक्षिण	953
213.	पश्चिम बंगाल	हुगली	955
214.	पश्चिम बंगाल	नादिया	956
215.	पश्चिम बंगाल	24 परगना दक्षिण	964
216.	पश्चिम बंगाल	मेदिनीपुर पश्चिम	967
217.	पश्चिम बंगाल	बांकुड़ा	967
218.	पश्चिम बंगाल	हावड़ा	974

बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ

सत्यमेव जयते
महिला एवं बाल
विकास मंत्रालय
भारत सरकार